सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 281 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 24 जूलाई 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मुख्यमंत्री ने नालंदा परिसर की तर्ज पर 13 नगरीय निकायों में लाइब्रेरी की दी सौगात

युवाओं को मिलेगा उच्च गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री, 'ज्ञान आधारित समाज' के प्रतीक के रूप स्थापित करने की योजना', 85 करोड़ रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के नालंदा परिसर की तर्ज पर प्रदेश के 13 नगरीय निकायों में लाइब्रेरी निर्माण के प्रस्ताव को वित्त विभाग से हरी झंडी मिल गई है। लाइब्रेरी को 'नॉलेज बेस्ड सोसायटी' यानी ''ज्ञान आधारित समाज'' के प्रतीक के रूप में प्रदेश के अलग-अलग स्थानों में स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के तैयारी के लिए उच्च गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने संकल्पित है। उन्होंने आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित लाइब्रेरी की सौगात दी है, जिसका लाभ युवाओं को मिलेगा। उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे प्रदेश के युवाओं को बड़ी सौगात मिलने जा रही है। वित्त विभाग ने रायपुर के नालंदा परिसर की तर्ज पर प्रदेश के 13 नगरीय निकायों में लाइब्रेरी के लिए 85 करोड़ 42 लाख रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की है। प्रदेश के 4 नगरीय निकायों में 500 सीटर और 9 नगरीय निकायों में 200 सीटर लाइब्रेरी का निर्माण किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि यह उन विद्यार्थियों के लिए लाभदायक होगा, जो छोटे शहरों में रहकर उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई करना चाहते हैं या फिर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। लाइब्रेरी निर्माण का मुख्य उद्देश्य स्थानीय युवाओं के शैक्षिक और सांस्कृतिक विकास को सुनिश्चित करना है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने अपने मुख्य बजट भाषण में भी इसका जिक्र करते हुए कहा था कि युवाओं के अध्ययन के लिए नालंदा परिसर की तर्ज पर लाइब्रेरी निर्माण किया जाएगा। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि इन केंद्रों को ''नॉलेज बेस्ड सोसायटी'' यानी ज्ञान आधारित समाज के प्रतीक के रूप में स्थापित किया जाए, ताकि ये युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत और सरकार के लिए एक आदर्श बन सके।

काठमांडू में हादसा: टेकऑफ करते ही क्रैश हुआ प्लेन, 18 यात्रियों की मौत

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल की राजधानी काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह उड़ान भरने के दौरान एक निजी एयरलाइन कंपनी सौर्य एयरलाइंस का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 19 लोग सवार थे। इनमें 18 लोगों की मौत की बात सामने आई है। द काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक पोखरा जाने वाले विमान में एयर क्रु सहित 19 लोग सवार थे। यह हादसा करीब 11 बजे हुआ। पुलिस और अग्निशमन दल दुर्घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। हवाई अड्डे पर तैनात एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि विमान के पायलट को अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि विमान में लगी आग को बुझा दिया गया है। पुलिस और दमकलकर्मी दुर्घटनास्थल पर बचाव अभियान चला रहे हैं।

अब तक क्रैश के बारे में क्या-क्या पता

समाचार पोर्टल खबरहब ने बताया कि सौर्य एयरलाइंस के विमान में आग लग गई थी और उससे धुआं निकलने लगा। वहीं हवाई अड्डे पर तैनात एक सुरक्षा अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि विमान के पायलट को पास के अस्पताल ले जाया गया है। उसने बताया कि विमान में लगी आग को बुझा दिया गया है। पुलिस और दमकलकर्मी दुर्घटनास्थल पर बचाव कार्य में जुटे हैं। सौर्य एयरलाइंस का यह विमान पोखरा के लिए रवाना हुआ था। नेपाल का हवाई उद्योग ने हाल के कुछ सालों में तेजी से आगे बढ़ रहा है जो दुर्गम क्षेत्रों में यहां के लोगों के साथ-साथ विदेशी ट्रेकर्स और पर्वतारोहियों को भी फायदा पहुंचा रहा है। लेकिन अपर्याप्त प्रशिक्षण और रखरखाव के कारण इस पर कुछ सवाल भी हैं। यूरोपीय यूनियन ने सुरक्षा कारणों की वजह से सभी नेपाली एयरलाइन्स को अपने हवाई क्षेत्र से प्रतिबंधित कर दिया है।

डॉक्टरों ने 17 साल के युवक के दिल में लगाया पेसमेकर

सीने में दर्द और सांस लेने में होती थी तकलीफ

जगदलपुर। जगदलपुर मेडिकल कॉलेज डिमरापाल के एमआईसीयू में बीती रात दंतेवाड़ा जांगला में रहने वाले युवक का हार्ट ब्लॉक होने के कारण उसे बेहतर उपचार के लिए मेकाज रेफर किया गया। जहाँ प्रभारी डीन/ विभागाध्यक्ष के साथ ही असिस्टेंट डॉक्टरों की टीम ने युवक के दिल में पेसमेकर लगाकर युवक की जान बचाई। साथ ही उसे नया जीवनदान दिया।

मामले की जानकारी देते हुए प्रभारी डीन/मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉक्टर नवीन दुल्हानी ने बताया कि दंतेवाड़ा जांगला निवासी राजेश मुचाकी 17 वर्ष को अचानक से सीने में दर्द होने के साथ ही सांस लेने में तकलीफहो रही थी। जिसके कारण उसे डॉक्टरों की टीम ने देखने के बाद वहां से मेकाज रेफर कर दिया गया, 22 जुलाई को मरीज मेकाज पहुँचा। जहाँ उसकी स्थिति को देखते हुए एमआईसीयू शिफ्ट किया गया, एमआईसीयू डॉक्टरों ने जब युवक का ईसीजी किया तो पता चला कि युवक का हार्ट ब्लॉक है। जिसके बाद डॉक्टरों ने युवक को पेसमेकर लगाया।

बजट: खेत-खलिहान से निकलेगी विकसित भारत के लिए संजीवनी

कृषि क्षेत्र के लिए 1.52 लाख करोड़ का बजट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए 1.52 लाख करोड़ का बजट दिया गया है। 2023-24 की तुलना में यह 7,637 करोड़ ज्यादा है। खेती-बागवानी की 32 फसलों की जलवायु अनुकूल और अधिक पैदावार वाली 109 किस्में लाने की तैयारी है।

विकसित भारत का लक्ष्य पाने के लिए जिन नौ सेतुओं का संतुलन सरकार ने बनाया है, उनमें खेत-खलिहान और किसान को प्राथमिकता पर रखा गया है। फसलों का उत्पादन बढ़ाकर जहां किसानों को मजबूत किया जाएगा। वहीं, बेहतर बाजार देने की मंशा से भंडारण क्षमता में वृद्धि की जाएगी। खराब मौसम और जलवायु परिवर्तन से खेती और बागवानी की फसलों को बचाया जाएगा। इसके लिए 32 फसलों की 109 किस्में लाई जाएंगी। यही नहीं, 400 जिलों में किसानों का ब्योरा भी डिजिटल किया जाएगा।

महंगाई के लिए जिम्मेदार बन रही तिलहन और दलहन की खेती को मिशन के तौर पर लिया जाएगा, ताकि आने वाले वक्त में देश इन फसलों के लिए आत्मनिर्भर बन सके। खेती को उन्नत बनाने के लिए सबसे ज्यादा जोर शोध पर है। प्रयास है कि ऐसी प्रजातियों की खोज हो सके जो किसानों को कम लागत पर अधिक उपज दे और आने वाले वक्त में भूमि की उर्वराशक्ति में कोई कमी न आए। कृषि ढांचा मजबूत करने के लिए 1,51,851 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जो 2023-24 के बजट की तुलना में 7,637 करोड़ ज्यादा है। एमएसपी को लेकर बजट में कोई घोषणा नहीं की गई है। किसान सम्मान निधि बढ़ने की अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

स्कूल-कॉलेज, धार्मिक स्थलों के पास नहीं खुलेंगी शराब की दुकानें

100 मीटर की दूरी निर्धारित

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। राज्य शासन ने हाईकोर्ट को बताया है कि स्कूल-कॉलेज, धार्मिक स्थलों से अब 100 मीटर दूर शराब दुकानें रहेंगी। इसके पहले 50 मीटर की दूरी पर शराब दुकान खोलने का नियम था, जिसे बदल दिया गया है। इसके बाद भी कहीं शिकायत है तो सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। नियमों और प्रावधानों के आधार पर ही शराब और चखना दुकान संचालित होंगी। हाईवे से कम से कम 500 मीटर से अधिक दूर पर शराब दुकान लगाने के निर्देश का भी पालन कराया जा रहा है। शासन के जवाब के बाद हाईकोर्ट ने याचिका निराकृत कर दी।

हाईकोर्ट ने स्कूल-कॉलेज, धार्मिक स्थलों समेत खेल मैदान और अस्पताल के आस-पास संचालित शराब दुकानों पर प्रकाशित खबरों को स्वत: संज्ञान लिया था। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की बेंच ने मामले को जनहित याचिका के रूप में स्वीकार करते हुए राज्य शासन और जिला प्रशासन को जवाब देने कहा था। उल्लेखनीय है कि बिलासपुर जिले में कुल 65 से अधिक देशी-विदेशी मदिरा दुकान शासन द्वारा संचालित की जा रहीं हैं।

स्कूल-कॉलेज, धार्मिक स्थलों समेत अस्पतालों के आस-पास संचालित सरकारी शराब दुकानों का विरोध किया जा रहा है। समय-समय पर ऐसे स्थानों पर संचालित दुकानों को हटाए जाने की मांग होती रही है। आबकारी विभाग समेत कलेक्टर प्रशासन को आवेदन भी किया गया। फिर भी जनता की मांग को अनसुना किया जा रहा था।

दुकानों के आसपास मारपीट, गुंडागर्दी

स्कूल-कॉलेज के पास संचालित दुकानों के चलते छात्र-छात्राओं समेत स्कूल-कालेज प्रबंधन को हमेशा सुरक्षा को लेकर परेशानियों का परेशानियों का सामना करना पड़ा है। खासकर महिलाओं, छात्राओं को अधिक मुश्किल होती है। शराब दुकानों में आए दिन मारपीट, गुंडागर्दी और छेड़खानी जैसी घटनाएं होती हैं, लेकिन प्रशासन का ध्यान कभी नहीं गया।

दुर्ग में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

बाढ़ में फंसे मजदूरों को एसडीआरएफ ने किया रेस्क्यू

श्रीकंचनपथन न्यूज

दुर्ग। दुर्ग में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त है। बारिश से कई जगह पर बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। चंगोरी गांव में ईट भट्ठा पर काम कर रहे मजदूर और उनके परिवार बाढ़ में फंस गए। जिन्हें एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकला। एसडीआरएफ की टीम ने 12 से अधिक लोगो का रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया है।

शिवनाथ नदी किनारे बाढ़ प्रभावित गांव को किया गया है अलर्ट

दुर्ग के शिवनाथ नदी महमरा एनीकट के ऊपर 10 फीट पानी बह रहा है। नदी के जल स्तर में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। जिसे लेकर जिला प्रशासन द्वारा शिवनाथ नदी तट के सभी गांव के लोगों को अलर्ट रहने की हिदायत दी है। शिवनाथ नदी के किनारे बाढ़ प्रभावित क्षेत्र झोला, भोथली, रूदा, खाड़ा, चंगोरी, थनौद, पीसेगांव, महमरा, पुलगांव, कोसमी, मोहलई, नगपुरा, मालूद, बेलौदी, पीपरछेड़ी, झेंझरी, हटगांव, गनियारी, सहगांव पर जिला प्रशासन अपनी नजर बनाई हुई है।

वहीं, राजनांदगांव जिले के मोंगरा बैराज से पिछले दिनों 40 हजार क्यूसेक पानी शिवनाथ नदी में छोड़ा गया था। आज फिर 5 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। जिससे शिवनाथ नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रही है। बारिश से तांदुला जलाशय में 40 प्रतिशत, खरखरा जलाशय में 43 प्रतिशत, खपरी जलाशय में 42 प्रतिशत और गोंदली जलाशय में 22 प्रतिशत जलभराव हो चुका है।

जिले में तहसीलवार बारिश के आंकड़े

जिले में अब तक 254.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार अब तक सबसे से अधिक वर्षा 444.5 मिमी पाटन में और सबसे कम 164.4 मिमी बोरी में दर्ज की गई है। इसके अलावा दुर्ग में 223.7 मिमी, धमधा में 188.2 मिमी, भिलाई 3 में 220.2 मिमी और अहिवारा में 282.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

छत्तीसगढ़ में अब तक 437.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 437.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 24 जुलाई सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1059.0 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 170.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 254.4 मिमी, बलरामपुर में 383.6 मिमी, जशपुर में 296.1 मिमी, कोरिया में 288.3 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 283.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी।

इसी प्रकार, रायपुर जिले में 395.1 मिमी, बलौदाबाजार में 431.1 मिमी, गरियाबंद में 519.3 मिमी, महासमुंद में 360.4 मिमी, धमतरी में 531.4 मिमी, बिलासपुर में 396.6 मिमी, मुंगेली में 461.8 मिमी, रायगढ़ में 356.5 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 212.2 मिमी, जांजगीर-चांपा में 347.9 मिमी, सक्ती में 297.7 कोरबा में 454.8 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 421.8 मिमी, दुर्ग में 306.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 363.5 मिमी, राजनांदगांव में 526.5 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़चौकी में 515.1 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 343.3 मिमी, बालोद में 623.1 मिमी, बेमेतरा में 271.1 मिमी, बस्तर में 578.6 मिमी, कोण्डागांव में 474.8 मिमी, कांकेर में 586.3 मिमी, नारायणपुर में 572.1 मिमी, दंतेवाड़ा में 588.8 मिमी और सुकमा जिले में 772.3 मिमी औसत वर्षा एक जून से अब तक रिकार्ड की गई।

खुद अपने लाले पड़े हैं बाघों की किसे पड़ी

श्रीकंचनपथ

क्या ज्यादा जरूरी है – सांस लेना या खनिज का उत्पादन करना? हर कोई यही कहेगा कि सांस लेना. पर खनिज से पैसा आता है। देश के अधिकांश बिजली घर कोयले से ही चलते हैं। बिजली चाहिए तो कोयला निकालना है। ऐसा करने के लिए जंगलों को काटना जरूरी हो जाता है। छत्तीसगढ़ एक ऐसा प्रांत है जहां भूगर्भ में कोयला, लौह अयस्क, चूना पत्थर, डोलोमाइट, बॉक्साइट, टिन, आदि के बड़े भंडार हैं। जहां कहीं भी पहाड़ों या घने जंगलों में खनिज है वहां आदिवासियों का निवास भी है। सरकार खनिज निकालना चाहती है और आदिवासियों को बेघर, बेसहारा हो जाने का डर सताता है। बस्तर के हालात किसी से छिपे नहीं है। लौह अयस्क उत्खनन के चलते एक लंबे समय तक यहां प्रतिरोध चलता रहा। फिर धीरे-धीरे यहां वनग्रामों की आबादी कम होती चली गई। कुछ विस्थापित हो गए तो कुछ की जमीनें बंजर हो गईं। खदानों के खाली होने के बाद शहर भी मर जाते हैं। रोजगार के अवसर सिमट जाते हैं और सरकार उस स्थान को भूल जाती है। दल्ली-राजहरा का उदाहरण हमारे सामने है। एक इलाका हसदेव अभ्यारण्य क्षेत्र का है। जैव विविधताओं से परिपूर्ण इस इलाके में कोयले के भंडार भी हैं। इसे मध्यभारत का फेफड़ा भी कहा जाता है। यहां आदिवासी लंबे समय से पेड़ों की कटाई का विरोध कर रहे हैं। पर उनकी एक नहीं चल रही। पेड़ काटने वाले पुलिस बल के साथ आते हैं और सरकारी संरक्षण में सैकड़ों हेक्टेयर जंगल का सफाया हो जाता है। कुछ ऐसा ही है मामला गुरू घासीदास नेशनल पार्क का। 2012 में तत्कालीन रमन सिंह सरकार ने इसे टाइगर रिजर्व बनाने का निर्णय लिया। इसके प्रस्ताव को नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी ने तत्काल मंजूरी दे दी। इसका कारण यह था कि गुरु घासीदार पार्क से पलामू तक, बांधवगढ़ रिजर्व और संजय-दुबरी बड़ा कॉरिडोर है। 2829 138 वर्ग किमी के इस प्रस्तावित क्षेत्र में हिरण, तेंदुआ समेत अन्य वन्यजीव हैं। घासीदास टाइगर रिजर्व बनने से न केवल टाइगर कॉरिडोर सुरक्षित हो जाएगा बल्कि हाथियों के मूवमेंट के लिहाज से भी यह इलाका अनुकूल हो जाएगा। यह कारीडोर सुरक्षित हो गया तो फिर हाथी भी गांव में आकर उत्पात मचाना कम कर देंगे। यह वही जंगल है जहां भारत का आखिरी चीता देखा गया था। 2014 में जहां राज्य में टाइगरों की संख्या 46 थी वह 2022 में 17 पर आ गई है। एनटीसीए के अप्रुवल के बाद सरकार को केवल नोटीफिकेशन जारी करना था पर यह टल गया। 19 मई 2023 को खनिज विभाग ने वन एवं पर्यावरण विभाग को पत्र लिखकर केंद्रीय कोयला और पेट्रोलियम मंत्रालय की राय लेने की सलाह दे डाली। मामला एक बार फिर लटक गया। 15 जुलाई को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सरकार को नोटीफिकेशन के लिए आखिरी बार 4 सप्ताह का समय देते हुए इस मामले में अंतिम फैसला लेने को कहा है। अब दारोमदार नई सरकार पर है।

संपादकीय

समाधान पर जोर

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लगातार सातवीं बार बजट पेश कर कीर्तिमान स्थापित कर दिया और समग्रता में उनके बजट को समाधान की ओर देखता महत्वाकांक्षी बजट कहा जा सकता है। अगर हम आम आदमी की बात करें, तो बहुत लोगों को कमोबेश लाभ हुआ है, वहीं कुछ लोगों की उम्मीदें धरी रह गई हैं। अगर हम आयकर के नजरिये से देखें, तो पुराने आयकर ढांचे वाले लोगों को निराशा हाथ लगी है, पर नए आयकर ढांचा वाले लोगों को कुछ लाभ हुआ है। अब यह संदेश बहुत स्पष्ट है कि नए कर ढांचे वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है और सरकार यही चाहती है। कहने में हर्ज नहीं कि नौकरीपेशा लोगों को आयकर में ज्यादा राहत की उम्मीद थी, पर सरकार अपनी राजस्व जरूरतों के आगे मजबूर है। वह खुद चाहती है कि ज्यादा से ज्यादा लोग नौकरीपेशा वर्ग में शामिल हों, ताकि राजस्व बढ़े। सरकार की यही मंशा उसके रोजगार बढ़ाने के ताजा प्रयासों में दिखती है। एक बड़ा बदलाव यह है कि जहां पहले एनडीए सरकार का स्वरोजगार से ज्यादा अनुराग दिखता था, वहीं अब उसका शुद्ध रोजगार पर ध्यान है।

> बेरोजगारी को संबोधित करता यह केंद्रीय बजट तीन योजनाओं के तहत रोजगार बढ़ाना चाहता है। युवाओं को संगठित क्षेत्र में नौकरी मिलने पर पहला वेतन सरकार देगी। इसके अलावा रोजगार सृजन करने वाली कंपनियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। कंपनियों को लाभ होगा, तो इससे रोजगार में वृद्धि होगी। दूसरी बात, देश के बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर व्यय की व्यवस्था की गई है, तो इससे भी रोजगार में वृद्धि होगी। विशेष रूप से बिहार, झारखंड, आंध्र प्रदेश में सरकार बड़े पैमाने पर निवेश करने जा रही है।

केंद्र सरकार बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्वोदय नाम से योजना बनाएगी। मतलब, इन राज्यों में रोजगार बढ़ना तय है। सकल घरेलू उत्पाद का 3.4 प्रतिशत बुनियादी ढांचे के विकास पर खर्च होगा। ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ रुपये खर्च करने का प्रावधान है। वित्त मंत्री ने स्पष्ट कहा है कि सरकार पूर्वी क्षेत्र में विकास के लिए एक औद्योगिक गलियारे के निर्माण का समर्थन करेगी। पिछड़े क्षेत्रों में सड़कों का जाल बिछाना आगामी हर बजट में प्राथमिकता होनी चाहिए।

वैसे यह बजट फरवरी में पेश अंतरिम बजट का ही विस्तार है, पर इसके लक्ष्य कुछ ज्यादा स्पष्ट हैं। इस वर्ष और आने वाले वर्षों के लिए नौ प्राथमिकताएं तय की गई हैं- कृषि में उत्पादकता और लचीलापन, रोजगार और कौशल, समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, एमएफजी और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढांचा, नवाचार, अनुसंधान एवं विकास, अर्थव्यवस्था में अगली पीढ़ी के आर्थिक सुधार। आगामी पांच वर्षों में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए सरकार ने दो लाख करोड़ रुपये रखे हैं। महिलाओं और लड़कियों को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं के लिए तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन किया गया है। किसानों और कृषि को भी प्राथमिकता दी गई है। किफायती ग्रामीण आवास के साथ ही शहरों में आवास निर्माण का बजट भी बढ़ाया गया है। बजट अपने मकसद में संतुलित है, पर आगे की राह उतनी आसान नहीं है। मिसाल के लिए, कैपिटल गेन और शेयर बायबैक पर लगाए गए टैक्स से शेयर बाजार के निवेशक निराश हैं, मतलब बजट से परे भी सरकार को लगातार अनुकूल कदमों के साथ सक्रिय रहना होगा।

क्रिटिकल मिनिरल्स मिशन की घोषणा से ऊर्जा और रणनीतिक क्षेत्रों को मिलेगी मजबूती

ऋषभ जैन (सीनियर प्रोग्राम लीड, काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायनरमेंट एंड वॉटर)

भारत सरकार ने क्रिटिकल मिनिरल्स (दुर्लभ खनिज) मिशन की घोषणा की है, जो ऊर्जागत परिवर्तनों और इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा, और दूरसंचार जैसे रणनीतिक क्षेत्रों की आधारशिला मानी जाती है। इस मिशन का उद्देश्य निजी और सरकारी कंपनियों को क्रिटिकल मिनिरल्स की सप्लाई चेन में अपनी क्षमताओं को विकसित करने और प्रतिस्पर्धात्मकता तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

वैश्विक स्तर पर क्रिटिकल मिनिरल्स की मांग

सीईईडब्ल्यू की 2023 की रिपोर्ट ने वैश्विक स्तर पर क्रिटिकल मिनिरल्स की सप्लाई चेन के अवसरों को रेखांकित किया था। इस रिपोर्ट ने दिखाया कि खनन (माइनिंग) का स्वदेशीकरण, विदेशों में अधिग्रहण के साथ प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) और पुनर्चक्रण (रिसाइक्लिंग) के लिए घरेलू क्षमताओं का निर्माण कैसे घरेलू विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित बनाएगा। खासकर सौर, पवन, इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरी जैसे स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्रों के लिए।

भारत का रणनीतिक कदम

इस घोषणा के माध्यम से भारत ने पिछले साल जी20 के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं पर कदम उठाने की शुरुआत कर दी है। सरकार का उद्देश्य है कि क्रिटिकल मिनिरल्स की एक भरोसेमंद, विविधतापूर्ण, सस्टेनेबल (सतत) और जिम्मेदारीपूर्ण सप्लाई चेन का निर्माण किया जा सके।

आयात में विविधता लाने का प्रयास

जैसा कि दुनिया भर में कई देश अपने आयात में विविधता लाने की कोशिश कर रहे हैं, भारत एक आकर्षक गंतव्य के तौर पर उभर रहा है। इस बजट घोषणा के माध्यम से सरकार ने एक समर्पित प्रयास किया है। साथ ही, आयात के लिए सीमा शुल्क में कटौती, उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजनाओं जैसे मौजूदा सरकारी प्रयासों की मदद करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जलवायु लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्धता

यह मिशन भारत के जलवायु लक्ष्यों के लिए अत्यंत जरूरी है। सरकार का मानना है कि इस तरह के मिशन से न केवल ऊर्जा और रणनीतिक क्षेत्रों को मजबूती मिलेगी, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा मिलेगी।

क्रिटिकल मिनिरल्स मिशन की यह घोषणा भारत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि देश को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बनाएगा। इससे भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को भी मजबूती मिलेगी और देश को एक नई दिशा में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

अन्नदाताओं के हितों की रखवाली ही मुख्य चिंता

चुनाव बाद के पहले बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कृषि क्षेत्र में कई उत्साहवर्धक घोषणाएं की हैं, जिनका स्वागत किया जाना चाहिए। मगर जब वित्त मंत्री एक करोड़ किसानों तक प्राकृतिक खेती की तकनीक को पहुंचाने की घोषणा करती हैं।

सुभाष पालेकर, कृषि विशेषज्ञ

तब एक महत्वपूर्ण सवाल पैदा होता है कि आखिर कौन सी प्राकृतिक खेती? वास्तविकता यह है कि प्राकृतिक खेती नाम की कोई कृषि तकनीक पूरी दुनिया में नहीं है। यह एक भ्रामक नामकरण है। दरअसल, जिस कृषि पद्धति को सरकार प्राकृतिक खेती कहती है, उसका नाम प्राकृतिक खेती नहीं है, क्योंकि इसमें बीजामृत, जीवामृत, घन जीवामृत, वाफ्सा, आच्छादन और अंतरवर्ती कृषि पद्धति शामिल हैं, जिनकी खोज इस लेखक ने की है और इसको पालेकर कृषि के नाम से जाना जाता है।

प्राकृतिक का सीधा सा अर्थ होता है- प्रकृति में जो अस्तित्व में है, लेकिन पालेकर कृषि तकनीक समेत दुनिया में जितनी भी कृषि तकनीकें उपलब्ध हैं, उन सभी में भूमि की जोताई की जाती है। इनमें बीज बुआई एवं रोपाई, निराई-गुड़ाई, सिंचाई, छिड़काव और फसल कटाई जैसे उपक्रम होते हैं। प्राकृतिक कृषि में इनमें से कोई भी कृषि कार्य नहीं होता। इसलिए सैद्धांतिक रूप से इसको प्राकृतिक कृषि कहना उचित नहीं है। सरकार यदि देश के एक करोड़ किसानों तक पहुंचने का संकल्प ले रही है, तो यह सचमुच सराहनीय है, मगर पारंपरिक वेतनभोगी नौकरशाही और देशी-विदेशी वित्तीय मदद पर निर्भर गैर-सरकारी संगठनों के जरिये इस संकल्प का पूरा होना असंभव है। सरकार को इस संकल्प को साकार करने के लिए रचनात्मक जन-आंदोलन का सहयोग लेना चाहिए।

इस साल के बजट में कृषि एवं इससे जुड़े क्षेत्रों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। यह धनराशि कम नहीं है, पर इस बजटीय प्रावधान की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि किसानों की स्थिति इससे कितनी सुधरती है। ऐसी अनेक योजनाएं हैं, जिनमें अंतिम लाभार्थी यानी किसानों तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त पैसे की आवश्यकता नहीं होगी। लेकिन इसके लिए सरकार को कृषि क्षेत्र में जमीनी स्तर पर सक्रिय विशेषज्ञों से निरंतर संवाद कायम करना होगा।

वित्त मंत्री ने ग्रामीण विकास के मद में जितना वित्तीय प्रावधान किया है, उससे पांच गुना ज्यादा आवंटन शहरी विकास के लिए किया गया है। मेरी राय में इसे उल्टा होना चाहिए था। आत्मनिर्भर भारत का सीधा अर्थ है देश के साढ़े छह लाख से अधिक गांवों का आत्मनिर्भर होना। ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मिति होती है, शहरों में नहीं; शहरी इलाकों में वस्तु-रूपांतरण होता है और वस्तु व पैसे का परस्पर आदान-प्रदान होता है। इसलिए शहरी विकास का मतलब भारत की आत्मनिर्भरता कभी नहीं हो सकता। कृषि उपज आपूर्ति प्रक्रिया को इस बजट में प्रधानता दी गई है, जिसकी सराहना की जाएगी। लेकिन जहां अनाज पैदा होता है या कोई भी फसल उगाई जाती है, यदि वहीं पर, यानी गांवों में खरीद प्रक्रिया होगी, तभी किसान लूट से बचाए जा सकेंगे। बजट से परे भी सरकार को कृषि परिदृश्य को बदलने के लिए प्रयास करने होंगे। जलवायु परिवर्तन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में दो पर्यावरण विरोधी परिघटनाएं तेजी से आकार ले रही हैं, जो किसानों को बुरी तरह प्रभावित करेंगी। सरकार को इसका जवाब तलाशना चाहिए। इसी तरह, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत हर गांव में एक बड़ा तालाब खोदने का कार्य सरकारी खर्च पर और गांव वालों के श्रमदान से होना चाहिए।

एक आशंका यह है कि किसानों को बायो-फर्टिलाइजर जैसे साधनों को बाजार से खरीदने के लिए बाध्य किया जाएगा, तो फिर बजट का पावित्र्य खत्म हो जाएगा। शहरी उपभोक्ताओं को बिना किसी बिचौलिए के अपनी कृषि उपज या खाद्य पदार्थों को बेचने की व्यवस्था अगर सरकार किसानों को उपलब्ध कराती है और कृषि उपज का व खाद्य पदार्थों का मूल्य उत्पादक किसान एवं उपभोक्ता, दोनों मिलकर निश्चित करते हैं, तब किसानों को न्याय देने वाला बजट सिद्ध होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

रक्षा क्षेत्र को कहीं अधिक प्रोत्साहन की दरकार

सुशांत सरीन, सीनियर फेलो, ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन

संसद में पेश साल 2023-24 के संशोधित अनुमान, यानी असली खर्च के मुताबिक हमने रक्षा मद (पेंशन से अलग) में 4.55 लाख करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि मंगलवार को जो बजट पेश किया गया है, उसमें साल 2024-25 के लिए 4.54 लाख करोड़ रुपये (पेंशन सहित 6.21 लाख करोड़ रुपये) आवंटित किए गए हैं। इसका अर्थ है कि पिछले साल के खर्च से भी करीब एक हजार करोड़ रुपये कम इस बार रक्षा क्षेत्र को दिए गए हैं। इसमें अगर महंगाई और रुपये की अंतरराष्ट्रीय कीमत को भी जोड़ लें, तो यह कमी और ज्यादा नजर आएगी। साफहै, रक्षा क्षेत्र को जितने प्रोत्साहन की जरूरत थी, उतना प्रोत्साहन उसे नहीं मिल सका।

बात सिर्फ यही नहीं है। इस बार रक्षा से जुड़े साजो-सामान पर 1.72 लाख करोड़ रुपये खर्च करने की बात कही गई है, जो पिछले साल के मुकाबले करीब 15 हजार करोड़ रुपये अधिक है। मगर जिस तरह से रक्षा में नई-नई तकनीक, एयरक्राफ्ट, निवेश आदि की जरूरत है, उसको देखते हुए हमें और अधिक पूंजी की दरकार है। इसे विडंबना ही कहेंगे कि आज जब दुनिया के विकसित देश अपने सकल घरेलू उत्पाद, यानी जीडीपी का पांच-पांच फीसदी तक रक्षा क्षेत्र पर खर्च कर रहे हैं, हम बमुश्किल दो फीसदी तक ही पहुंच सके हैं। यह स्थिति तब है, जब हमें चीन की तरफसे लगातार चुनौती मिल रही है, भारतीय सरहदों पर तनाव बढ़ रहे हैं और पड़ोसी देशों से हमें विशेषकर जम्मू में आतंकवाद की एक नई लहर का सामना करना पड़ रहा है। लिहाजा, कोशिश तो यह होनी चाहिए थी कि यदि हालात ज्यादा बिगड़ते हैं, तो हमें किसी अन्य देश से मदद लेने की जरूरत न पड़े, लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा।

रक्षाकर्मियों की तनख्वाह और पेंशन भी एक मसला है। इस बार रक्षा मद में जितना आवंटन किया गया है, उसका करीब एक चौथाई धन पेंशन में खर्च होगा, जबकि इतनी ही रकम वेतन मद में जारी की जाएगी। यानी, बजट का आधा हिस्सा हम कर्मचारियों के वेतन और पेंशन पर ही खर्च करेंगे। यह कोई अच्छी तस्वीर नहीं है। जाहिर है, सुरक्षाकर्मियों के वेतन और पेंशन में उसी तरह सुधार की जरूरत है, जिस तरह अग्निपथ योजना में। राजनीतिक हलकों में अग्निवीरों की बात तो खूब की जा रही है, मगर पेंशन सुधार पर चुप्पी बनी हुई है।

असल में, भारत का पूरा रक्षा ढांचा इस बुनियाद पर खड़ा है कि फौजियों की संख्या अधिक से अधिक की जाए। मगर बड़ी फौज के पास ऐसी क्षमता होनी चाहिए कि वह मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों से पार पा सके। नई-नई तकनीक से बने युद्धक साजो-सामान के सामने वीर जवानों को जंग के मैदान में भेज देना अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा होता है। हालांकि, यहां एक तर्क दिया जा सकता है कि अफगानिस्तान में अपने से कहीं बेहतर अमेरिकी फौज के आगे तालिबानी बीस साबित हुए, लेकिन इसके लिए तालिबान ने बड़ी कीमत भी चुकाई है। इस युद्ध में जहां उसके दसियों हजार लड़ाके मारे गए, वहीं अमेरिकी सेना का जानी नुकसान बहुत कम हुआ। वैसे भी, यह स्थिति भारत जैसे लोकतंत्र के लिए सही नहीं मानी जा सकती, क्योंकि इससे देश के अंदर माहौल बिगड़ सकता है। इसलिए, मैदान-ए-जंग में शूरवीरता के साथ-साथ अति-आधुनिक हथियारों और माकूल रणनीति की जरूरत भी होती है।

ऐसा लगता है कि राजनीतिक मजबूरियों के कारण सुरक्षा मद में कतरब्योंत किया गया है। इससे जल्दी पार पा लेना उचित होगा। यह करना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि अब सुरक्षा चुनौतियों का रूप तेजी से बदलने लगा है। मसलन, हम आज भी महज 40 दिनों के लिए युद्धक-सामग्री जमा करके रखते हैं, क्योंकि हमारी सोच यही है कि जंग 10-15 दिनों से अधिक नहीं चलती। हमारा अनुभव भी यही कहता है। मगर हम यह भी देख रहे हैं कि गाजा में नौ महीने से बम-बारूद चल रहे हैं, जबकि यूक्रेन ढाई साल से युद्ध का मैदान बना हुआ है। ऐसी स्थिति में रणनीतिक सूझ-बूझ की सख्त दरकार है और बजट उसी का प्रतिबिंब होना चाहिए था, जो पूरी तरह से उम्मीद पर खरा नहीं उतर रहा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सुरक्षा हर नागरिक का अधिकार

देश की राजधानी के शाहदरा इलाके के नामी सरकारी अस्पताल गुरु तेग बहादुर (जीबीटी) में एक मरीज की गोलियां बरसाकर हत्या वाकई स्तब्ध करती है। मृतक खजूसी खास की श्रीराम कॉलोनी में रहने वाला 32 साल का रियाजुद्दीन है, जो अस्पताल में पेट के संक्रमण के इलाज के लिए भर्ती था। पुलिस के अनुसार हत्यारा एक अन्य मरीज वासिम को मारने आया था। जिस पर सत्रह मामले दर्ज हैं। उसे और उसके साथी आसिफ को 12 जून को शांति चौक पर गोली मारी गई थी, जिसके इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती है। उसकी पत्नी ने अपने पति की जान को खतरा बताते हुए प्राइवेट रूम में शिफ्ट करने को कहा था।

रियाजुद्दीन गलत पहचान के चलते मारा गया प्रतीत हो रहा है। बहरहाल, यह सारी घटना बिल्कुल फिल्मी प्लॉट की तरह लग रही है। हत्याकांड में 3-4 लोगों के शामिल होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। हैरत है, यह सब दिल्ली के व्यस्त इलाकों में हो रहा है। दिल्ली सरकार लगातार कानून-व्यवस्था को बदतर कह रही है। अपराधियों के बुलंद होते हौसले देखकर दिल्ली पुलिस की लापरवाही तो साफ ही है। साथ ही अस्पताल के प्रशासन-व्यवस्था के काम पर संदेह होता है। हालांकि वार्ड में काफी लोगों की मौजूदगी के बावजूद कोई घायल नहीं है। यह कहना गलत नहीं होगा कि स्थिति भयावह भी हो सकती थी।

डॉक्टर तो हड़ताल पर चले गए पर मरीजों के इख्तियार में तो कुछ भी नहीं होता। जिस मासूम की जान गई है, उसके प्रति कौन जिम्मेदार होगा। हत्यारा पुलिस की गिरफ्त में आ गया या उसे सजा हो गई तो भी मृतक के परिवार को न्याय कैसे दिया जा सकेगा। हत्यारा व मृतक समान समुदाय के न होते तो अपने-अपने लाभ के लोभ में विभिन्न राजनीतिक दलों में हलचल शुरू हो चुकी होती। सरकारी आंकड़े कहते हैं देश में प्रतिदिन 75 से अधिक हत्याएं होती हैं।

बात सिर्फ इस गफलत में हुई सरेआम हत्या की नहीं है, हमें कानूनविदों, मनोविश्लेषकों, समाजशास्त्रियों व विशेषज्ञों के साथ हत्याओं के इस फैलते संक्रमण पर गंभीर विमर्श करना होगा। सुरक्षा हर नागरिक का अधिकार है, जिससे सरकार मुंह नहीं चुरा सकती। चिंता की बात यह भी है कि डॉक्टर्स इसके बाद हड़ताल पर जाने की बात कह रहे हैं, जिससे होने वाली परेशानी का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। सरकार को इस मसले पर ध्यान देना चाहिए।

(राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी)

छः लड़ाई में जवानों की शहादत बड़ी चिंता

अजीत द्विवेदी

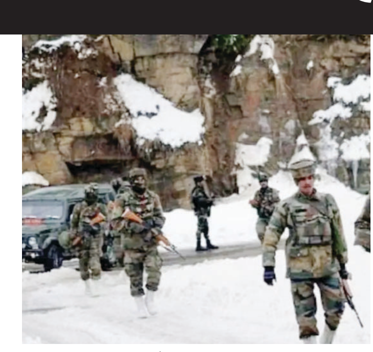

जम्मू कश्मीर के हालात बदल रहे हैं। बाहरी लोगों पर हमले और हत्या के बाद अब सुरक्षा बलों पर हमले का सिलसिला तेज हो गया है। सिर्फ इस महीने में कम से कम सात जगह आतंकवादियों के साथ सुरक्षा बलों की मुठभेड़ हुई है, जिसमें 12 जवान शहीद हुए हैं। डोडा के डेसा जंगल में सोमवार, 15 जुलाई को आतंकवादियों के हमले में सेना के एक कैप्टेन सहित पांच जवान शहीद हो गए। इससे पहले कुलगाम में दो जगहों पर मुठभेड़ हुई, जिसमें सुरक्षा बलों के दो जवान मारे गए।

इसके बाद कठुआ में सेना की गाड़ी पर आतंकवादियों ने घात लगा कर हमला किया, जिसमें पांच जवान शहीद हो गए। सुरक्षा बलों की ओर से बताया गया कि कठुआ में सेना की गाड़ी पर पहले ग्रेनेड से हमला हुआ और उसके बाद गोलियां चलाई गईं। यह घटना पिछले महीने रियासी में हुई घटना से मिलती जुलती थी, जिसमें आतंकवादियों ने यात्रियों से भरी एक बस के ड्राइवर को गोली मार दी, जिससे बस खाई में गिर गई और नौ लोगों की जान चली गई। माना जा रहा है कि आतंकवादी सेना की गाड़ी भी इसी तरह से खाई में गिराना चाहते थे ताकि अधिकतम नुकसान हो।

भारत सरकार का दावा है कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद आतंकवादी घटनाओं में कमी आई है। एक आंकड़े के मुताबिक पांच अगस्त 2016 से चार अगस्त 2019 तक राज्य में नौ सौ आतंकवादी घटनाएं हुई थीं, जिनमें 290 जवान शहीद हुए थे और 191 नागरिकों की जान गई थी। लेकिन अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद अगले तीन साल में इसमें गिरावट आई। पांच अगस्त 2019 से चार अगस्त 2022 के बीच 617 आतंकवादी घटनाएं हुईं, जिनमें 174 जवान शहीद हुए और 110 नागरिक मारे गए। लेकिन सवाल है कि क्या शांति काल में दूसरे किसी देश में एक सीमा पर इतने जवान शहीद होते हैं या इतने नागरिक मारे जाते हैं? जब पाकिस्तान के साथ युद्धविराम संधि लागू है और कोई लड़ाई नहीं चल रही है तो छद्म लड़ाई में इतने जवानों की शहादत और आम नागरिकों की मौत निश्चित रूप से बड़ी चिंता का कारण होना चाहिए।

दूसरा सवाल यह है कि पिछले कुछ समय से जब राज्य में शांति बहाली का दावा किया जा रहा था तो अचानक सैन्य बलों पर हमले की घटनाओं में क्यों तेजी आ गई? क्या राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया शुरू होने और चुनाव की तैयारियों की वजह से ऐसा हो रहा है? गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में जम्मू कश्मीर के नागरिकों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया था। मतदान के आंकड़े ऐतिहासिक थे। पिछले लगभग चार दशक में इतने ज्यादा लोगों ने वोट नहीं डाले थे। अब अगले दो महीने में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं, जिसके बाद जम्मू कश्मीर को चुनी हुई सरकार मिलेगी। तभी सवाल है कि क्या आतंकवाद को भारत विरोधी नीति के तौर पर इस्तेमाल करने वाले पड़ोसी देश पाकिस्तान को इससे बेचैनी हो रही है कि क्यों जम्मू कश्मीर के लोग लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल हो रहे हैं?

यह संभव है कि पाकिस्तान और उसके समर्थन से फलने फूलने वाले आतंकवादी संगठन एक रणनीति के तौर पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को विफल करने के लिए इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे रहे हों। यह ध्यान रखने की जरुरत है कि पाकिस्तान ने लंबे समय से आतंकवाद को भारत विरोधी कूटनीति का एक हिस्सा बना रखा है और वह इसे छोडने वाला नहीं है। फर्क इतना है कि इसका रूप बदल रहा है। पुराने आतंकवादी संगठनों की जगह नए नाम के संगठन आ गए हैं। पुराने आतंकवादी सरगनाओं की जगह नए सरगना आ गए हैं। जैसे डोडा की ताजा घटना की जिम्मेदारी कश्मीर टाइगर्स ने ली है। इसका कारण यह है कि फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानी एफएटीएफ की जांच से पाकिस्तान घबराया है और उसे किसी तरह से एफटीएफ की सूची से बाहर निकलना है।

इसलिए वह ये मैसेज बनवा रहा है कि उसने आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई की है और कई समूहों को समाप्त कर दिया है। लेकिन असल में ऐसा नहीं है। सारे आतंकवादी समूह अब भी नाम बदल कर सक्रिय हैं। भारत को इस साजिश को बेनकाब करने का प्रयास करना चाहिए ताकि पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बना रहा। एफएटीएफ का दबाव कम होगा तो पाकिस्तान की वित्तीय मुश्किलें कम होंगी और तब उसकी भारत विरोधी गतिविधियां और तेज हो सकती हैं। पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति का भी एक पहलू है। शरीफ बंधुओं ने सेना के साथ मिल कर सत्ता पर कब्जा कर लिया है और इमरान खान को जेल में बंद कर रखा है, जिससे आवाम में नाराजगी है। इस नाराजगी को कम करने के लिए भी भारत विरोधी गतिविधियां तेज की गई हो सकती हैं।

जम्मू कश्मीर के बदलते सुरक्षा लैंडस्केप का एक बड़ा कारण यह भी है कि भारत इस क्षेत्र में अपनी सीमाओं की सुरक्षा और आंतरिक शांति के लिए पूरी तरह से सैनिक व्यवस्था पर निर्भर है। सुरक्षा और शांति की जो तस्वीर दिखाई जा रही है वह लाखों सैनिकों और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की वजह से है। भारत ने पाकिस्तान के साथ कूटनीतिक वार्ता बंद कर रखी है। दोनों देशों के बीच कारोबार बंद है। खेल और फिल्म के जरिए होने वाली सॉफ्ट डिप्लोमेसी भी बंद है। अगर दोनों देशों के आर्थिक हित जुड़े होते तो संभव है कि सुरक्षा के हालात इतने नहीं बिगड़ते। सेना के दम पर पूरे राज्य की सुरक्षा लंबे समय तक सुनिश्चित करना एक मुश्किल काम है।

इसी का एक दूसरा पहलू यह है कि ऐतिहासिक रूप से भारतीय सेना कश्मीर घाटी में तैनात है। इसलिए वहां सुरक्षा बलों की मदद से काफी हद तक सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। लेकिन अब आतंकवादी हमलों का निशाना जम्मू का इलाका है। कठुआ, राजौरी में लगातार हमले हो रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि जम्मू रेंज में भी सेना को उसी तरह का बंदोबस्त करना होगा, जैसा कश्मीर घाटी में किया गया है। यह सेना और सुरक्षा बलों पर अतिरिक्त बोझ बढ़ाने वाला होगा।

एक समस्या यह भी है कि लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने पाक अधिकृत कश्मीर यानी पीओके को भारत में मिलाने की चर्चा छेड़ दी। वोट के लिए भाजपा के बड़े नेताओं ने कहा कि मोदी को जिताएं तो छह महीने में पीओके भारत का होगा। इससे पाकिस्तान रक्षात्मक हुआ है और चीन की भी चिंता बढ़ी है। हालांकि सामरिक रूप से यह संभव नहीं है कि भारत युद्ध करके पीओके को अपने में मिलाए लेकिन भाजपा के बड़े नेताओं और कई केंद्रीय मंत्रियों के बयानों ने हालात बिगाड़ दिए। भारत की कूटनीति पाकिस्तान के साथ साथ चीन से भी बंद है या बहुत सीमित हो गई है। चीन के साथ कारोबार जरूर बढ़ रहा है लेकिन कूटनीति नहीं हो रही है। इस वजह से भी उत्तर में सीमा पर भारत पूरी तरह से सामरिक रणनीति पर निर्भर हो गया है।

पिछले अनेक बरसों से दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान एक विफल राष्ट्र है या उसकी आर्थिक, राजनीतिक, सामरिक व्यवस्था ढह गई है। लेकिन असल में ऐसा नहीं है। पाकिस्तान की व्यवस्था ढह नहीं गई है और ढहनी भी नहीं चाहिए क्योंकि परमाणु शक्ति संपन्न किसी देश की अगर राजनीतिक और सामरिक व्यवस्था ढहती है तो उसका कितना बड़ा खामियाजा दुनिया को भुगतना पड़ सकता है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। इसलिए वहां महंगाई बढ़ रही है या राजनीतिक झगड़े बहुत हैं या सेना ही मालिक है, नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान को बरबाद कर दिया, जैसी भारतीय मीडिया में चलने वाली बहसों का कोई मतलब नहीं है। पाकिस्तान जर्जर हालत में भी भारत के लिए बड़ी सुरक्षा चिंता पैदा किए हुए है। इसलिए सैन्य बल और सामरिक रणनीति के साथ साथ कूटनीति का इस्तेमाल बढ़ाने की जरुरत है।

(ये लेखक के विचार हैं)

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of
Musical Instrument
Sales & Repair

DURG:-
Near Tarun Adlabs
Station Road, Durg (C.G.)
Durg, Ph. 2330588, 9826660688

RAIPUR:-
Near Manju Mamta
Reaustaurant, M.G. Road
Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Industrial Training Institute
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना

Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

जिले में अब तक 254.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 01 जून से 22 जुलाई तक 254.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 444.5 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 164.4 मिमी बोरी तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 223.7 मिमी, तहसील धमधा में 188.2 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 220.2 मिमी और तहसील अहिवारा में 282.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 23 जुलाई को तहसील दुर्ग में 6.6 मिमी, तहसील धमधा में 6.1 मिमी, तहसील पाटन में 11.0 मिमी, तहसील बोरी में 9.5 मिमी, भिलाई 3 में 4.0 मिमी और तहसील अहिवारा में 2.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

सामान्य सभा की बैठक 31 को

दुर्ग। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 31 जुलाई 2024 को दोपहर 1.00 बजे जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में कृषि विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, लोक निर्माण विभाग, वन एवं पर्यावरण विभाग के एवं अन्य आवश्यक कार्यों की समीक्षा की जाएगी। संबंधित पदाधिकारियों एवं विभाग प्रमुख अधिकारियों को उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा गया है।

नि:शुल्क प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। अंत्यावसायी व्यवसायिक प्रशिक्षण केन्द्र, औद्योगिक क्षेत्र, जवाहर नगर गेट के पास, धमधा नाका दुर्ग में अनुसूचित जाति वर्ग के इच्छुक युवतियों को नि:शुल्क प्रशिक्षण ट्रेड सेल्फएम्प्लॉइड टेलर में देने के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये है। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2024 है। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नम्बर 8319642983, 8103830896 में सम्पर्क कर सकते है। अंत्यावसायी व्यवसायिक प्रशिक्षण केन्द्र दुर्ग के प्रबंधक से मिली जानकारी अनुसार पात्रता की शर्ते आवेदक अनुसूचित जाति वर्ग का हो (जाति प्रमाण पत्र तहसीलदार/ नायब तहसीलदार/ पार्षद/सरपंच) का प्रस्तुत करना होगा। आधार कार्ड की छायाप्रति, निवास प्रमाण पत्र (तहसीलदार/नायब तहसीलदार/ पार्षद/सरपंच) का प्रस्तुत करें। आवेदक की वार्षिक आय शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र हेतु 1 लाख 50 हजार रूपये तक हो आय प्रमाण पत्र (तहसीलदार/नायब तहसीलदार/पटवारी) द्वारा जारी हो। आवेदक की उम्र- 18 वर्ष होना अनिवार्य है। अंकसूची (आठवी उतीर्ण) तथा दो फेटोग्राफ पास पोर्ट साईज जमा करना होगा।

जिले के 12 परीक्षा केंद्रों का जिला शिक्षा अधिकारी ने किया निरीक्षण

दुर्ग। छ.ग.मा.शि.मण्डल रायपुर द्वारा मुख्य/अवसर परीक्षा 2024, 23 जुलाई 2024 से 12 अगस्त 2024 तक आयोजित की जा रही है। जिले के 12 परीक्षा केंद्रों में परीक्षाएं संचालित है। जिनमें विकासखण्ड धमधा के शा.उ.मा.वि.बालक धमधा, कन्या धमधा, विकासखण्ड पाटन के सेजस कन्या पाटन, सेजेस पाटन, कन्या भिलाई-03, विकासखण्ड दुर्ग के आदर्श कन्या, तिलक कन्या, सेजस दीपक नगर, सेजस जे.आर.डी. दुर्ग, सुपेला, न्यु खुर्सीपार, हाउसिंग बोर्ड स्कूल शामिल है। परीक्षा के सफ्ल आयोजन की व्यवस्था के अवलोकन हेतु जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा ने सेजेस जे.आर.डी. व आदर्श कन्या परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

श्रीरामलला दर्शन के लिए दुर्ग और बस्तर संभाग के 850 श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या धाम हुआ रवाना

तीर्थ यात्रियों को कमिश्नर राठौर ने हरी झण्डी दिखाकर दुर्ग रेल्वे स्टेशन से किया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। श्री रामलला दर्शन योजना के तहत राम भक्तों का जत्था लगातार अयोध्या धाम पहुंच रहा है। दुर्ग संभाग और बस्तर संभाग के 850 श्रद्धालुओं को आज दुर्ग स्टेशन से श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम की यात्रा के लिए रवाना किया गया।

रामलला दर्शन पश्चात् तीर्थयात्रियों का दल 26 जुलाई 2024 को मध्य रात्रि स्पेशल ट्रेन से ही दुर्ग वापस पहुंचेगी। तीर्थ यात्रा में दुर्ग जिले के 185 श्रद्धालु जिसमें 139 ग्रामीण एवं 46 श्रद्धालु शहरी क्षेत्र से शामिल है। दुर्ग रेल्वे स्टेशन से दोपहर एक बजे कमिश्नर श्री सत्यनारायण राठौर, एडीएम श्री अरविंद एक्का, सीईओ श्री अश्वनी देवांगन, जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती माया बेलचंदन ने हरी झण्डी दिखाकर अयोध्या धाम के लिए रवाना किया गया। राम भक्तों को फूल माला पहनाकर दुर्ग स्टेशन से रवाना किया गया। श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान भोजन तथा अयोध्या में रूकने एवं अन्य सभी प्रकार से बेहतर व्यवस्था की गई है, ताकि सभी श्रद्धालुगण खुशी-खुशी दर्शन कर सके। वही सभी तीर्थ यात्रियों ने श्री रामलला दर्शन योजना की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हर वर्ग के लोगों को इसका लाभ मिल रहा है।

बालोद जिले के दल्ली राजहरा निवासी श्री विनोद कुमार चौहान ने कहा कि वह पहली बार रामलला के दर्शन को जा रहे हैं। यह हमारे लिए विलक्षण क्षण हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा संचालित श्री रामलला दर्शन योजना बहुत ही अच्छी योजना है। जिसके कारण नि:शुल्क अयोध्या जाकर भगवान श्री राम के दर्शन कर पा रहे हैं। तीथ यात्रियों को जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका 'छत्तीसगढ़ जनमन' की जून माह की प्रतियां भेंट की गई। यात्रियों ने पत्रिका को शासन की योजनाओं की जानकारी के लिए बहुपयोगी बताया।

इस अवसर पर आईजी रामगोपाल गर्ग, संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी, एसडीएम दुर्ग मुकेश रावटे, एसडीएम धमधा सोनल डेविड, तहसीलदार क्षमा यदु एवं जितेन्द्र वर्मा, सुरेन्द्र कौशिक, राजेन्द्र पारधे सहित पर्यटन एवं रेलवे के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर के निर्देश पर निगम आयुक्त ने की समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश पर नगर निगम भिलाई के आयुक्त देवेश ध्रुव ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक में समय-सीमा प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों द्वारा निराकृत प्रकरणों की जानकारी ली। साथ ही लंबित प्रकरणों को समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिये।

निगम आयुक्त ध्रुव ने मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त पत्र, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनचौपाल, जनशिकायत निवारण प्रकोष्ठ, ई-समाधान के प्रकरण, सार्थ-ई पोर्टल के लंबित आवेदनों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवेदनों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिये। उन्होंने बरसात के मौसम में डायरिया, मलेरिया, डेंगू एवं अन्य जलजनित बीमारियों की रोकथाम हेतु स्वास्थ्य विभाग के साथ सभी अधिकारियों को समुचित प्रबंध रखने के निर्देश दिये। उन्होंने वर्तमान में वर्षा से उत्पन्न स्थिति नदी-नालों में बाढ़ आदि पर विशेष नजर रखने के साथ ही नदी किनारों के गांवों में मुनादी आदि के माध्यम से सूचित करने निर्देशित किया।

श्री ध्रुव ने सभी एसडीएम को विषम स्थिति में राहत केम्प हेतु भवन की व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा है। इसके पूर्व मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रमोद गुप्ता ने अधिकारियों को कार्य के दौरान मानसिक तनाव के कारण एवं इसके निदान पर विस्तृत व्याख्यान दिया। सहायक कलेक्टर एम. भार्गव, अपर कलेक्टर बी.के. दुबे, दुर्ग निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, रिसाली निगम आयुक्त मोनिका वर्मा, भिलाई-3 चरौदा निगम आयुक्त दशरथ राजपूत सहित समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

नगर निगम की अपील: बारिश के मौसम में इन बातों का रखें ध्यान, बिमारियों से करें अपना बचाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मानसून ने दस्तक दे दी है.नगर पालिक निगम महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने आम जनता से अपील कर कहा कि मानसून ने दस्तक दे चुकी है ऐसे में आपको बारिश के दौरान कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए. इससे आप बिमारियों से खुद को दूर रख सकते हैं.मानसून की एंट्री के बाद से ही शहर में लगातार चार दिनों से बारिश का दौर जारी है। महापौर व आयुक्त कहा है कि मौसमी बिमारी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने नागरिको से अपील कर कहा कि पानी को 10 मिनट तक उबालकर पियें ,बासी खाने का सेवन

बिल्कुल न करें, पीने के पानी मे क्लोरीन टेबलेट का इस्तेमाल जरूर करें। अपने घर के आस पास साफ सुथरा अवश्य रखें, कूलर में भरे हुए पानी को खाली कर देवें।

कूलर का पानी को रोजाना बदलते रहें क्योकि डेंगू का लार्वा स्वच्छ पानी मे पनपते है।घर के बगीचे में रखे हुए गमले,टँकी,टायर आदि में बरसाती पानी को जमाव न होने दे।उसमें भी डेंगू लार्वा पनपते है। उन्होंने ये भी कहा कि सोते समय मच्छरदानी का उपयोग हमेशा करते रहें।यदि घर मे किसी भी व्यक्ति को बुखार,उल्टी दस्त आदि हो तो तत्काल हॉस्पिटल में अपना इलाज व जांच करवाएं। महापौर धीरज बाकलीवाल और आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने कहा कि मानसून की एंट्री के साथ जल जनित रोगों की संभावना भी बढ़ जाती है. निगम ने इसे लेकर एडवाइजरी जारी की है, ताकि लोग इन बीमारियों से अपना बचाव कर सकें.मानसून की बारिशें शुरू हो चुकी है. ऐसे में नदी नाले में जल्द स्तर बढ़ना,नदी में गाद और मिट्टी का आना आदि देखने को मिलता है।

जल स्त्रोतों में भी इस दौरान गंदा पानी देखने को मिलता है. जल स्त्रोत में गाद आने के कारण पानी की सप्लाई में भी मुश्किल होती है. गंदे पानी के सीधे सेवन से कई प्रकार की बीमारियां हो सकती है. बरसात में पानी को उबालकर पीना चाहिए या फिल्टर्ड पानी का सेवन करना चाहिए.महापौर लोगों से अपील की गई है कि बरसात में 10 मिनट तक उबाल कर पीना या फिल्टर्ड पानी का सेवन करना चाहिए. यह बरसात में होने वाली बीमारियों से निपटने के लिए कारगर माना जाता है।बारिश के मौसम में इन बातों का रखें ध्यान, बीमारियों से करें अपना बचाव ऐसे में आपको बारिश के दौरान कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए. इससे आप बीमारियों के खुद को दूर रख सकते हैं।

बारिश के मौसम में शिवनाथ नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा

एनडीआरएफ की स्पेशल टीम करेगी 40 फिट गहराइयों में उतरकर इंटकवेल के पम्पो फंसे कचरे की सफाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम, दुर्ग विगत दिनों से लगातार बारिश व जल संसाधन विभाग द्वारा काफी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है। जिसके कारण शिवनाथ का जलस्तर बढ़ते जा रहा है, और जारी भी है, जिससे नगर निगम, दुर्ग के दोनो एनिकट के आसपास काफी मात्रा में कचरा आ रहा है, व इनटेकवेल के इनलेट जालियों में कचरा फंस रहा है।

लगातार जलस्तर बढ़ने के कारण सफाई कार्य किया जाना संभव नहीं हो पा रहा है, जिससे पर्याप्त मात्रा में पानी फिल्टर प्लांट तक पहुंच नहीं पा रहा है व टंकियों को भरने में विलम्ब हो रहा है,अथवा जलप्रदाय प्रभावित हो रहे है।इनटेक वेल की जाली से कचरे की सफाई हेतु नगर सैनिक कमान्डेट को पत्र

लिखा गया है। यदि ह.छ.ऋस्न की स्पेशल टीम के द्वारा सफाई कार्य संभव हो पायेगा। तभी दोनो समय में जलप्रदाय हो पायेगा। अन्यथा शहर की जलप्रदाय एक ही समय होने की संभावना बन रही है। जल स्तर कम होने पर व कचरे की सफाई के बाद ही जल प्रदाय सामान्य रूप से दोनो समय हो पायेगा।बारिश के मौसम में शिवनाथ का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।जिससे शिवनाथ नदी तट में लगे 24 एमएलडी के इंटकवेल में कचरा आने की बार बार शिकायतो के कारण घरों में पेयजल सप्लाई में दो दिनों से बाधा आ रही है।मानसून में लगातार बारिश होने एवं मोगरा जलाशय के गेट खोलने से नगर निगम क्षेत्र की आधी आबादी का पेयजल कनेक्शन से जुड़ा है।महापौर धीरज बाकलीवाल,आयुक्त लोकेश चन्द्रकर एवं जलकार्य प्रभारी संजय कोहले के निर्देश पर जलकार्य विभाग के सहायक अभियंता गिरीश दीवान द्वारा जिला सैनिक कमांडेंट के टीम को पत्र लिखकर 24 एमएलडी इंटकवेल के 40 फिट गहराइयों में उतरकर पम्पो फसे कचरे की सफाई करने के लिए अनुरोध किया गया है।बता दे कि 42 एवं 24 एमएलडी के इंटकवेल में कचरा फसने के कारण दिनाँक 24 दिन बुधवार को प्रथम पहरी में जलप्रदाय प्रभावित रहेगी।

विनम्रता जीवन का अनमोल गहना है इसे सहेज कर रखें : साध्वी सु मंगल प्रभा जी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जय आनंद मधुकर रतन भवन बांदा तालाब दुर्ग में आध्यात्मिक वर्षावास में धर्म सभा को संबोधित करते हुए मधुकर मनोहर शिष्या साध्वी श्री सुमंगल प्रभा ने कहा आचार्य सम्राट जयमल जी महाराज द्वारा रचित बड़ी साधु वंदना भक्ति रस की एक अमर रचना है।

इसका पहला शब्द नमु यानी नमन प्रणाम होता है जिनके जीवन में विनय है वह विनम्रता से वह सभी को जीत लेता है विनम्रता जीवन का अनमोल गहना है सभी धर्म का मूल ही विनय है जिससे हम धर्म मानते हैं उसमें विनय का होना अत्यंत आवश्यक है जिस धर्म में विनय नहीं है वह धर्म धर्म ही नहीं है विनय से विनम्रता आती है और यही विनम्रता हमारे मोक्ष के द्वारा को खोलती है ।

गुरु मधुकर मनोहर शिष्य डॉक्टर सुमंगल प्रभा ने जय आनंद मधुकर रतन भवन की धर्म सभा को संबोधित करते हुए आगे कहा हम सभी के जीवन में आज विनय का बहुत ही अभाव है अनुशासन में जीवन हमेशा सद्गति की ओर ले जाता है अनुशासनहीनता का आज सभी जगह बोल वाला है साध्वी सुवृद्धि श्री एवं साध्वी रजत प्रभा ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए सुख-दुख के विषय पर सारगर्भित चर्चा की साध्वी श्री ने कहा अपने-अपने कर्मों के हिसाब से जीवन में सुख दुख का आना जाना चलता रहता है जो जीवन के अंतिम क्षण तक चलता है हमारा हमेशा ऐसा प्रयास होना चाहिए।

नुक्कड़ नाटक, रैली के माध्यम से चलेगा स्वच्छता जागरूकता अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में स्वच्छता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें तृतीय/चतुर्थ चरण के स्वच्छता सर्वेक्षण हेतु नागरिकों को जागरूक किये जाने यूवोदय की छात्राओं एवं महिला समूह की स्वच्छता दीदीयों को प्रशिक्षण दिया गया। निगम भिलाई द्वारा 22 जुलाई से 31 अगस्त तक वृहद स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया जायेगा।

जिसमें वार्डो में रैली, नुक्कड-नाटक, स्त्रोत पृथक्करण, होम कम्पोस्टिंग हेतु जाकर जानकारी दी जायेगी। स्वच्छता में उत्कृष्ठ काम करने वाले नागरिको को प्रोत्साहन बेस्ट ऑफ वेस्ट तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जायेगा। जीरो वेस्ट कार्यक्रम को बढ़ावा देने, मलबों से उपयोगी चीजें बनाये जाने आदि के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम किये जायेगें।

आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए नगर निगम भिलाई के स्वच्छता विशेषज्ञो द्वारा डोर-टू-डोर स्वच्छता संग्रहण व एसएलआरएम केन्द्रो में संलग्न महिलाओ/ स्वच्छता दीदीयों तथा यूवोदय की छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में घरों से निकलने वाले चार अलग-अलग प्रकार के कचरे, सुखा, गीला, सेनेटरी वेस्ट तथा हेजार्डियस कचरो के निपटान, गीले कचरे से होम कम्पोटिंग तैयार करने, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने हेतु नागरिको को जागरूक करने अभियान चलाने निर्देशित किया गया।

प्रशिक्षण में रिडयूस, रीयूज, रीसायकल केन्द्र के संबंध में जानकारी दी गई। जिससे वे नागरिकों के माध्यम से पुराने कपड़े, जूते, किताबें और इस्तेमाल किये जा चुके प्लास्टिक वेस्ट का पुन: उपयोग या पुनर्नवीनीकरण कराने दिशा में योगदान दे सकें। इसी प्रकार वार्डो में स्थापित बर्तन बैंक का उपयोग कर सामाजिक कार्यक्रमों में जीरों वेस्ट के माध्यम से कार्यक्रम करने जागरूक किया जा रहा है। स्वच्छता से संबंधित किसी भी प्रकार के शिकायत को निदान 1100 के टोल फ्री नम्बर 1100 में कॉल कर शिकायत दर्ज किये जाने, नागरिको को जागरूक करने कहा गया। व्यवसायिक क्षेत्रों में होटलों व रेस्टोरेंट से निकलने वाले गीले कचरे को ऑन साईट कम्पोस्टिंग करने व सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने समझाइस देने व जागरूकता फैलाने के निर्देश दिये।

प्रशिक्षण के दौरान शहरी आजीविका मिशन के नोडल अधिकारी दिप्ती साहू, सूडा से प्रीति राजपूत, मिशन मैनेजर अमन पटले व स्वच्छता विभाग के पीआईयू उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने ली आरटीई को प्रभावी बनाने बैठक

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्टोरेट के रेडक्रॉस सभा कक्ष में नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत बैठक ली और कलेक्टर डॉ. सिंह ने पिछले 5 वर्षों में ड्रॉपआउट हुए विद्यार्थियों की जानकारी ली। कलेक्टर ने आरटीई के तहत अध्ययनरत विद्यार्थियों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव न किए जाने के संबंध में निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों से अध्ययनरत विद्यार्थियों के मन में निजी विद्यालयों के प्रति संतोषप्रद के संबंध में जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि निजी स्कूलों में आरटीई के माध्यम से निजी स्कूलों में 4655 बच्चों का दाखिला मिला है।

राशन कार्ड का नहीं मिला था सॉफ्टकॉपी, कॉल सेंटर में शिकायत

रायपुर। जन समस्या निवारण कॉल सेंटर से छोटी - छोटी समस्याएं भी निराकृत होने लगी है। गुढ़ियारी निवासी संजय जानी ने राशन कार्ड के पीडीएफ नहीं मिलने की शिकायत कॉल सेंटर में की। तत्काल खाद्य विभाग के अधिकारियों ने जोन क्रमाँक 1 में सम्पर्क किया और हितग्राही को राशन कार्ड की सॉफ्ट कॉपी वहाट्सएप के माध्यम से उपलब्ध करा दी गई। तत्काल कार्यवाही से राशन कार्डधारी ने प्रसन्नता व्यक्त की और जिला प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया।

ममता कोठारी को भू- अर्जन दिलाने की प्रकिया हुई तेज, जिला प्रशासन को दिया धन्यवाद

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के जनदर्शन से श्रीमती ममता कोठारी को बड़ी राहत मिली है। लाभांडी में ममता कोठारी को जमीन है। जिसका मुआवजा प्राप्त नही हुआ था। इसी को लेकर श्रीमती कोठारी के पति किशन कोठारी ने कलेक्टर जनदर्शन में निवेदन किया। कलेक्टर ने तत्काल कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया। इसके बाद प्रकिया में तेजी लाई गई। लगातार कार्यवाही होने से श्री कोठारी काफी खुश है और उन्होंने कलेक्टर को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

लोग जितने बड़े पद पर पहुंचते हैं उनकी टेंशन भी उतनी ही बढ़ जाती है

अक्षर ज्ञान आपको विद्वान बनाता है, और अवसर ज्ञान महान : विरागमुनि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दादाबाड़ी में आत्मस्पर्शी चातुर्मास 2024 के तीसरे दिन दीर्घ तपस्वी विरागमुनि जी ने कहा कि आज हमें जो यह मनुष्य जीवन मिला वह अनंत पुण्यों के बाद हमें प्राप्त हुआ है, इसके लिए देव भी तरसते हैं लेकिन हमने क्या किया इस दुर्लभ जीवन को सांसारिक पदार्थों को इकट्ठा करने में लगा दिया। अगर यही पुरुषार्थ हमने धर्म के प्रति किया होता तो आज हम मोक्ष के कितने करीब होते यह आप अंदाजा भी नहीं लगा सकते हैं। अगर केवल पैसों से सुख मिल जाता तो आज बड़े-बड़े उद्योगपति, नेता-मंत्री टेंशन फ्री जीवन जीते लेकिन ऐसा नहीं हो सकता। लोग जितने बड़े पद पर पहुंचते हैं उनकी टेंशन भी उतनी ही बढ़ जाती है जबकि उनके पास धन बल की कोई कमी नहीं होती फिर भी उन्हें यह टेंशन रहता है कि कोई कंपीटीटर हमसे आगे ना बढ़ जाए, हमारी स्टेटस पर कोई फर्क ना पड़े और हमारा पोर्टफोलियो खराब ना हो जाए।

उन्होंने आगे कहा कि आज विश्व में जैन समाज तार्किकता और वैज्ञानिकता से परिपूर्ण है, जिसके नियम आज सभी पर लागू होते हैं। कोई नियम ऐसा नहीं है जो किसी व्यक्ति पर किसी प्रकार का दुष्प्रभाव डालें यानी कोई भी व्यक्ति जैन समाज के नियमों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। जिस दिन आपने जैन समाज के लॉजिक को समझ लिया उसे दिन से आपके पापों का क्षय होना शुरू हो जाएगा। आज जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं पाप का दायरा भी बढ़ रहा है और उनकी संख्या भी बढ़ती जा रही है। उम्र के साथ इच्छाएं भी बढ़ रही है और पुण्य तो बढ़ ही रहा है लेकिन उसकी तुलना में पाप भी तेजी से बढ़ रहा है। अक्षर का ज्ञान आपको विद्वान बनता है और अवसर का ज्ञान आपको महान बनाता है। हमें अपने जीवन में ऐसे अवसरों की खोज में हमेशा रहना चाहिए जो आपका कल्याण कर सके। ऐसे कल्याण मित्र बनाएं जो आपका जीवन सवार दे। वैसे ही मनुष्य के जीवन में तीन शत्रु आपको खत्म करने के लिए बैठे हुए हैं। जिसमें पहले है वृद्धावस्था, दूसरा है रोग और तीसरा है मृत्यु। हम कोई भी काम शुरू करने के लिए इस समय बाद या उसे कार्यक्रम के बाद ऐसा कर तारीख तय करते रहते हैं और इस चक्कर में हम उसे महत्वपूर्ण समय को भी गंवा देते हैं जिस पल हमें समय का सदुपयोग कर लेना चाहिए था।

उन्होंने आगे कहा कि आज आध्यात्म पर आपका ध्यान नहीं है इसलिए आपको बाहर की दुनिया अच्छी लग रही है लेकिन जिस दिन आपके अंदर आध्यात्म जाग जाएगा उसे दिन दुनिया से आपका मोह भंग होने लगेगा। आज तो प्रवचन सुनने भी सब अलग-अलग समय पर आते हैं और समय देखकर तुरंत निकल भी जाते हैं। जैसे ही प्रवचन का समय खत्म होता है वैसे ही पंडाल खाली होने लगता है। किसी भी धर्म स्थल में लोगों को जुटने में बहुत समय लगता है लेकिन केवल कुछ मिनट के अंदर ही पूरा पंडाल खाली हो जाता है। आज अनुकूल परिस्थितियों में भी लोग परेशान हैं, जबकि आज से तीन-चार सौ साल पहले जो राजा महाराजा थे उनके पास भी इतनी सुख सुविधा नहीं थी जितनी कि आज आपके पास है। हम अपनी कमजोरी को आज पहचान नहीं पा रहे हैं लेकिन जिस दिन हम इसे पहचानेंगे उसे दिन हमारे जीवन का कल्याण हो जाएगा, आप अपने मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ाने लगोगे और उस दिन हमें दुनिया की कोई भी परिस्थिति दुखी नहीं कर पाएगी। आत्मस्पर्शी चातुर्मास समिति 2024 के प्रचार प्रसार संयोजक तरुण कोचर और नीलेश गोलछा ने बताया कि गुरू पूर्णिमा के अवसर पर गुरू पूजा का लाभ संपतलाल, नरेश कुमार, बबीता बुरड़ परिवार रायपुर को प्राप्त हुआ।

बूढ़ातालाब, टिकरापारा के पास व जब्बार नाला के पास निगम बनाएगा वेंडिंग जोन

फेरी वालों को वहां व्यवस्थापन व स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण प्राप्त हो सके

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा राजधानी शहर में नगरवासियों को तीन भिन्न मुख्य स्थलों पर वेंडिंग जोन विकसित करके शीघ्र दिये जाएंगे। नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गांधी सदन में आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने बैठक ली और नगर निवेश विभाग के अधिकारियों को बूढ़ातालाब के सामने पुराना धरना स्थल के पास, पुजारी पार्क टिकरापारा के पास और पाम बलाजियो के सामने जब्बार नाला के पास की खुली भूमियों पर शीघ्र वेंडिंग जोन विकसित करवाने का कार्य प्राथमिकता से जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की लोकहितकारी मंशा के अनुरूप रायपुर जिला प्रशासन के दिशा निर्देशन में शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये, ताकि फेरी वालों को वहाँ व्यवस्थापन सहित स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण प्राप्त हो सके और नगरवासियों को विकसित वेंडिंग जोन क्षेत्र की व्यवस्था प्राप्त हो सके।

आयुक्त ने नगर निवेश विभाग के अधिकारियों को जोनों में टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक में स्वीकृत 13 भिन्न स्थानों जोन कमांक 5 के सुलभ शौचालय के पास, डंगनिया से सीएसईबी पार्ट 1, तरूण तालाब से जीआईएस मार्ग, लाखे नगर चौक से सारथी चौक तक रोड के बाये तरफ त्रिमूर्ति मंदिर चौक मठपुरैना, भाठागांव आटो स्टैण्ड के पास जलगृह मार्ग, माध्यमिक शिक्षा मंडल की बाउंड्री से लगा हुआ टैगोर नगर, विसर्जन कुंड के पास रायपुरा, हीरापुर सब्जी बाजार के पास, एक्सप्रेस वे के नीचे तेलीबांधा, एसएलआरएम सेंटर के पास, कमल विहार चौक बोरियाखुर्द पौनी पसारी, हिमालयन हाईट्स के पास देवपुरी में शीघ्र स्थल निरीक्षण कर वेंडिंग जोन विकसित करने निविदा बुलवाने की कार्यवाही सुनिश्चित करने निर्देशित किया है।

आयुक्त ने एनएलयूएम की मिशन मैनेजर को तीन स्थानों में वेंडिंग जोन विकसित करने पर वहाँ फेरी वालों को व्यवस्थापन शीघ्र देने सम्बंधित जोनों की टीमों के साथ समन्वय कर सर्वे कार्य करवाने के सम्बन्ध में शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिये। बैठक में अधीक्षण अभियंता राजेश शर्मा, सहायक अभियंता नीतीश झा, उप अभियंता विकास साहू, एनयूएलएम की मिशन मैनेजर सुषमा मिश्रा की उपस्थिति रही।

रायपुर नगर निगम के जोन कमिश्नरों का तबादला

रायपुर। राजधानी रायपुर में आगामी नगरीय निकाय चुनाव से पहले जोन कमिश्नरों का तबादला हुआ है। नगर निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने इसका आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक, राजधानी के जोन क्रमांक 3, 4, 7 और 8 में पदस्थ कमिश्नरों को दूसरे जोन में पदस्थापना की गई है।

वहीं मुख्यालय में पदस्थ एके हालदार को उपआयुक्त पद से हटाकर जोन आयुक्त के पद में जोन क्रमांक 8 में पदस्थ किया गया है। इसके अलावा निर्वाचन एवं जनगणना का प्रभार कृष्णा खटीक उपायुक्त और जन्म-मृत्यू, विवाह पंजीयन का प्रभार स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणिग्रहण को सौपा गया है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर उत्कृष्ट खिलाड़ियों का होगा सम्मान

खेल अलंकरण वर्ष 21-22 और 22-23 के लिए प्राप्त हुए 1329 आवेदन

रायपुर। राज्य के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मानित करने वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 के लिए राज्य खेल अलंकरण समारोह का आयोजन राष्ट्रीय खेल दिवस पर 29 अगस्त को किया जाएगा। इसके लिए खिलाड़ियों से 10 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किए गए थे।

अंतिम तिथि तक संचालनालय एवं जिलों में प्राप्त समस्त आवेदन पत्रों का संकलन संचालनालय स्तर पर किया जा चुका है। संचालालय स्तर पर गठित आवेदन परीक्षण समिति के द्वारा नियमों के परिप्रेक्ष्य में आवेदनों का परीक्षण किया जा रहा है। खेल संचालक श्रीमती तनुजा सलाम में तत्काल आवेदनों का परीक्षण पूर्ण करने के निर्देश समिति को दिया है।

अंतिम तिथि तक शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार के लिए वर्ष 2021-22 हेतु 61 आवेदन तथा वर्ष 2022-23 हेतु 85 आवेदन प्राप्त हुए। शहीद कौशल यादव पुरस्कार के लिए वर्ष 2021-22 के 46 आवेदन एवं वर्ष 2022-23 के 52 आवेदन प्राप्त हुए। वीर हनुमान सिंह पुरस्कार (निर्णायक) के लिए वर्ष 2021-22 के 03 एवं वर्ष 2022-23 के 04 आवेदन, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार (प्रशिक्षक) के लिए वर्ष 2021-22 के 19 आवेदन एवं वर्ष 2022-23 के 27 आवेदन प्राप्त हुए। शहीद विनोद चौबे सम्मान के लिए वर्ष 2021-22 के 22 आवेदन एवं 2022-23 के 32 आवेदन प्राप्त हुए। शहीद पंकज विक्रम पुरस्कार के लिए वर्ष 2021-22 के 77 आवेदन, वर्ष 2022-23 के 98 आवेदन प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री ट्राफी (जूनियर वर्ग) के लिए वर्ष 2021-22 के 01, वर्ष 2022-23 के 01 आवेदन तथा मुख्यमंत्री ट्राफी (सीनियर वर्ग) के वर्ष 2021-22 के 04 आवेदन, वर्ष 2022-23 के 04 आवेदन प्राप्त हुए। नगद राशि पुरस्कार के लिए वर्ष 2021-22 के 275 आवेदन एवं वर्ष 2022-23 के 518 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार वर्ष 2021-22 के लिए 508 आवेदन और वर्ष 2022-23 के लिए 518 आवेदन प्राप्त हुए है। इस प्रकार दोनों वर्षों के लिए कुल 1329 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन आवेदनों का परीक्षण पूर्ण करके शासन स्तर पर निर्णयक समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

डॉक्टरों ने सीखी नवजात शिशुओं में श्वासनली के प्रबंधन व एनेस्थीसिया देने की प्रक्रिया

रायपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के एनेस्थीसिया एवं पेन मेडिसिन विभाग ने नियोनेटल एनेस्थीसिया सोसाइटी के तत्वावधान में नियोनेटल एयरवे मैनेजमेंट पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य चिकित्सकों को नवजात शिशुओं में विभिन्न विधाओं द्वारा श्वासनली के प्रबंधन का प्रशिक्षण देना था, ताकि वे आपातकालीन परिस्थितियों में नवजात शिशु में श्वासनली का समय पर सुरक्षित प्रबंधन कर कृत्रिम श्वास दे सकें और शल्यक्रिया के दौरान नवजात को बेहोश कर सकें।

कार्यशाला में प्रतिभागी चिकित्सकों ने नवजात शिशु के मॉडल्स की श्वास नली में विभिन्न बुनियादी एवं उन्नत उपकरणों की सहायता से एंडोट्रेकियल ट्यूब डालकर, उसे ऑक्सीजन एवं निश्चेतना देने का प्रशिक्षण लिया। इस दौरान विभागाध्यक्ष डॉ. प्रतिभा जैन शाह ने बताया कि नवजात शिशुओं में श्वास नली का प्रबंधन करना तथा निश्चेतना देना बहुत ही संवेदनशील एवं चुनौतीपूर्ण कार्य है और इसके लिए विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। उन्होंने नवजात के वायुमार्ग को कठिन बनाने वाले विभिन्न कारणों तथा उनके निवारण पर विस्तार से चर्चा की।

चिकित्सा महाविद्यालय की डॉ. रश्मि नायक ने बुनियादी उपकरणों के बारे में जानकारी दी, जबकि एम्स रायपुर के डॉ. मयंक कुमार ने नवजात के वायुमार्ग के प्रबंधन हेतु उन्नत उपकरणों का वर्णन किया। बालाजी मेडिकल कॉलेज की डॉ. अनीषा नगरिया ने मूल्यांकन तकनीकों को समझाया और डॉ. प्रतीक्षा अग्रवाल ने वायुमार्ग सुरक्षित करने के दौरान उत्पन्न होने वाली विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। प्रशिक्षण में डॉ. प्रतिभा जैन शाह, डॉ. मयंक कुमार, डॉ. रश्मि नायक, डॉ. प्रतीक्षा अग्रवाल और डॉ. अनीषा नगरिया उपस्थित थीं। डॉ. प्रतिभा जैन शाह ने बताया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय की यह पहल आपातकालीन परिस्थितियों में तथा जटिल ऑपरेशन के दौरान नवजात की सुरक्षित देखभाल में महत्वपूर्ण साबित होगी।

वर्तमान कार्यकारिणी समिति की अंतिम बैठक संपन्न

चेम्बर चुनाव के लिए शिवराज भंसाली मुख्य चुनाव अधिकारी मनोनीत

रायपुर। चेम्बर ऑफ कॉमर्स की वर्तमान कार्यकारिणी समिति की अंतिम बैठक 23 जुलाई को चेम्बर कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में पिछली कार्यकारिणी की बैठक की कार्यवाही का पठन एवं अनुमोदन, प्राप्त नये सदस्यता आवेदन पत्रों की सूक्ष्म जांच के पश्चात स्वीकृति प्रदान की गई। 75 सदस्यों से प्राप्त आवेदन फर्मों के नाम/स्थान/प्रतिनिधि के नाम परिवर्तन, रुपए 10000 से अधिक के खर्च की स्वीकृति, चेम्बर के आगामी चुनाव के संबंध में विचार विमर्श, चेम्बर चुनाव हेतु चुनाव अधिकारी मनोनीत करने, चेम्बर कर्मचारियों के वेतन वृद्धि पर चर्चा एवं अन्य विषय-अध्यक्ष महोदय की अनुमति से आदि विषयों पर चर्चा हुई। उपरोक्त सभी विषयों पर कार्यकारिणी सदस्यों ने स्वीकृति प्रदान की।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष पारवानी ने कार्यकारिणी समिति की अंतिम बैठक में अपने उद्बोधन में पूरे 3 वर्ष के कार्यकाल में किये गये कार्यों एवं उपलब्धि की विस्तृत जानकारी सदस्यों को दी एवं होलसेल कारिडोर, जीएसटी, वेट टैक्स,वन टाइम सेटलमेंट, स्मार्ट बाजार, ई-वे बिल, मुद्रा लोन योजना के संबंध में प्रकाश डाला। उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चेम्बर के संरक्षक, सलाहकार, पदाधिकारियों, युवा, महिला, उद्योग, ट्रांसपोर्ट चेम्बर, इकाई के पदाधिकारियों एवं सदस्यों एवं चेम्बर कर्मचारियों का मुझे भरपूर सहयोग मिला जिससे इस 3 वर्ष का कार्यकाल सफल हुआ। शासन एवं प्रशासन के साथ ही इस पूरे कार्यकाल में मीडिया ने भी भरपूर सहयोग किया।

पारवानी ने कहा कि इस तीन वर्ष के कार्यकाल में हमने लगातार व्यापारिक हित में कार्य करते हुए पूर प्रदेश के व्यापारियों से संपर्क कर शासन प्रशासन के माध्यम से समस्याओं का निराकरण करवाया । हमारी टीम ने सदस्यता अभियान के तहत लगातार मेहनत किया जिसके परिणामस्वरूप लगभग 11 हजार सदस्यों की वृद्धि हुई है। पारवानी ने बताया कि आगामी चेम्बर चुनाव के लिये शिवराज भंसाली से चर्चा हो गई है, उन्होंने मुख्य चुनाव अधिकारी हेतु अपनी स्वीकृति दे दी है। पारवानी ने चुनाव संपन्न करवाने हेतु अपना प्रस्ताव रखा कि पितृपक्ष के समय चुनाव करवाये जाने पर व्यापार में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। जिसे उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की।

चेंबर महामंत्री अजय भसीन ने चेम्बर के पदाधिकारियों एवं चेम्बर की सभी टीम का आभार व्यक्त किया और कहा कि चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में व्यापारिक हित में अनेक कार्य हुए। इस तीन वर्ष के कार्यकाल में व्यापारी जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन हुआ। कोरोना काल में भी चेम्बर व्यापारियों के साथ रहा, स्थानीय दुकानदारों के व्यापार को सुचारू रूप से संचालन करवाने हेतु आनलाइन व्यापार को बंद कराने में शासन-प्रशासन से सहयोग मिला। बैठक का संचालन चेम्बर महामंत्री अजय भसीन ने किया।

बैठक में संरक्षक-आसुदामल वाधवानी, ईश्वरचंद अग्रवाल, रामजी भाई पटेल, अनिल बरड़िया, सलाहकार-मगेलाल मालू, भरत बजाज, दीपक बल्लेवार, जितेन्द्र दोशी, प्रमोद दुबे, राम गिडलानी, दिलीप खटवानी, संजय रावत, परमानंद जैन(राइस मिल), राकेश ओचवानी, सुरिन्दर सिंह, अजय अग्रवाल, हाजी मो. वली मोहम्मद, प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल एवं पूरे प्रदेश से उपाध्यक्ष, मंत्री, कार्यकारिणी सदस्य एवं व्यापारिक औद्योगिक संघों के प्रतिनिधि सहित लगभग 280 कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

अतिविशिष्ट व्यक्तियों के आगमन पर उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिए राजभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों का सम्मान

रायपुर। अतिविशिष्ट अतिथियों के आगमन पर उत्कृष्ट सेवा भाव से कार्य करने वाले राजभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों को राज्यपाल के सचिव श्री यशवंत कुमार ने सम्मानित करने हुए उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किया।

इस अवसर पर श्री यशवंत कुमार ने कहा कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों के उत्कृष्ट कार्य से छत्तीसगढ़ राज्य की अच्छी छवि बनती है। विगत माह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के दौरे पर आये थे और उन्होंने राजभवन में विश्राम किया था। इस दौरान राजभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों ने उत्तम सेवा भाव का प्रदर्शन करते हुए अच्छी से अच्छी व्यवस्था बनाने के लिए कार्य किया। राजभवन की व्यवस्था की प्रधानमंत्री द्वारा भी सराहना की गई। सचिव ने सभी को लगन और मेहनत से कार्य करने के लिए बधाई दी। इस अवसर पर उप सचिव श्रीमती हिना अनिमेष नेताम सहित राजभवन के सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सरकारी जमीन से नहीं हटा कब्जा, हाईकोर्ट ने निगम कमिश्नर को भेजा नोटिस

रायपुर। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने रायपुर नगर निगम के कमिश्नर को नोटिस जारी कर यह पूछा है कि कलेक्टर के निर्देश के बावजूद सरकारी जमीन से कब्जा क्यों नहीं हटाया जा सका। कोर्ट ने निगम कमिश्नर से इस संबंध में बुधवार को रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। राजधानी के अमलीडीह क्षेत्र में कुछ बिल्डरों द्वारा 35 फीट चौड़ी नहर पर कब्जा कर दीवार खड़ी कर दी गई है, जिससे सिंचाई सुविधा में बाधा उत्पन्न हो रही है। इसी क्षेत्र में 17 हजार वर्ग फीट जमीन पर भी बिल्डरों ने अवैध रूप से दुकानें बना ली हैं। इन बिल्डरों का अनुसरण करते हुए कुछ स्थानीय लोगों ने भी नाले की जमीन पर मकान बना लिया है।

हृता दुर्गुले ने कमांडर करण सक्सेना के लिए सिर्फ छह सेशन में बाइक चलाना सीखा

ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई कमांडर करण सक्सेना को काफी पॉजिटिव रिस्पांस मिल रहा है। दर्शक सीरीज में मौजूद किरदारों की सराहना कर रहे हैं। इस कड़ी में एक्ट्रेस हृता दुर्गुले ने अपने किरदार एसीपी रचना म्हात्रे से लोगों के दिलों पर अपनी छाप छोड़ी है। अपने किरदार को दमदार बनाने के लिए उन्होंने बाइक चलाना सीखा।

हृता दुर्गुले ने कहा कि उन्हें बाइक चलाने से डर लगता था, लेकिन कमांडर करण सक्सेना में अपने किरदार के लिए तैयारी करते हुए इस पर काबू पाया। उन्होंने मात्र छह सेशन में इस स्किल को सीखा। एक्ट्रेस ने कहा, शो की मीटिंग में मेकर्स ने मुझसे पूछा कि क्या मैं बाइक चला सकती हूं। मैंने कहा कि मैं बाइक चलाने के अलावा सब कुछ कर सकती हूं, लेकिन मैं इसे सीखूंगी। 10-12 दिनों के बाद, मुझे बताया कि मैं सीरीज में रचना म्हात्रे का किरदार निभा रही हूं, और मैंने अप्रैल में बाइक चलाने की ट्रेनिंग लेना शुरू कर दिया।

उन्होंने कहा, इसमें छह सेशन लगे। हाइट की वजह से मेरे पैर जमीन तक नहीं पहुंच रहे थे। एक्ट्रेस ने कहा, मेरे स्किल सेट में एक और चीज शामिल हुई है। मैं बाइक चलाना जारी रखूंगी, क्योंकि यह अब मुझे बहुत आसान लगता है। मैं 18 साल की उम्र से कार चला रही हूं, 13-14 साल हो गए हैं। मैं रिक्शा चला सकती हूं, मैं एम्बुलेंस चला सकती हूं, मैं कुछ भी चला सकती हूं।

बाइक चलाने को लेकर मेरे अंदर एक बड़ा डर था। किसी तरह, मैंने इसे मैनेज किया, और जिस बाइक का हमने इस्तेमाल किया वह बहुत भारी थी, इसलिए मुझे इस बात की भी चिंता थी। लेकिन मुझे बहुत खुशी है कि मैं कमांडर करण सक्सेना के लिए यह कर सकी। कमांडर करण सक्सेना एक रॉ एजेंट की कहानी है, जिसका किरदार गुरमीत चौधरी ने निभाया है। वह एक देशभक्त है और भारत को बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। शो का निर्देशन जतिन वागले ने किया है। इसमें इकबाल खान विलेन के रोल में हैं। उन्होंने आईएसआई चीफ नासिर का किरदार निभाया है। कमांडर करण सक्सेना डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर प्रसारित है।

धनुष की 50वीं फिल्म रायन को मिला ए कैटेगरी का सर्टिफिकेट

इस हफ्ते बॉक्स ऑफिस पर साउथ सिनेमा से साउथ सुपरस्टार धनुष की एक्शन-थ्रिलर और मारकाट वाली फिल्म रायन रिलीज के लिए तैयार है। रायन को धनुष ने लिखा और खुद डायरेक्ट किया है। यह दूसरी बार है जब धनुष ने कोई फिल्म डायरेक्ट की है। रायन आगामी 26 जुलाई को रिलीज होने जा रही है। रिलीज से चार दिन पहले रायन की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो गई है। धनुष ने एक एक्स पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी है। धनुष ने फिल्म रायन से अपना खून से लथपथ एक पोस्टर भी शेयर किया है। वहीं, बीते दिन रायन के प्री-रिलीज इवेंट में धनुष ने अपनी अगली फिल्म का भी एलान कर दिया है। इधर, फिल्म रायन को सेंसर बोर्ड ने ए (वयस्क) कैटेगरी का सर्टिफिकेट थमाया है।

धनुष की एडवांस बुकिंग की बात करें तो सैकनिल्क के अनुसार, 22 जुलाई को दोपहर 2 बजे तक फिल्म रायन ने तमिल भाषा में 665 शोज के लिए 34,233 टिकट सेल कर 48,22,604 ।41 रुपये कमा लिए हैं। वहीं, तेलुगू में फिल्म ने 133 शोज के लिए 3,920 टिकट सेल कर 6,88,975 रुपये बटोर लिए हैं। रायन ने ऑल इंडिया में 798 शोज के लिए 38,153 टिकट सेल किए हैं, जिससे उसकी कुल कमाई 55,11,5,79 रुपये हो गई है।

रायन तमिल के साथ-साथ हिंदी और तेलुगू में भी रिलीज होगी। धनुष की बतौर एक्टर रायन 50वीं फिल्म है। बीती 21 जुलाई की रात हैदराबाद में फिल्म रायन का प्री-रिलीज इवेंट हुआ। इस इवेंट में फिल्म की स्टारकास्ट धनुष, प्रकाश राज, नित्या मेनन, दुशारा विजयन, अपर्णा बाला मुरली, सुदीप किशन, कालीदास जयराम और एस जे सूर्या पहुंचे थे।

इधर, रायन के प्री-रिलीज इवेंट में प्रकाश राज ने धनुष के फैंस को बड़ी गुडन्यूज दी थी। प्रकाश ने खुलासा किया था कि धनुष अपनी नई फिल्म के निर्देशन को लेकर प्लान कर रहे हैं और इस फिल्म में नित्या मेनन लीड रोल में होंगी। आपको बता दें, प्रकाश राज, धनुष और नित्या मेनन फिल्म रायन से पहले फिल्म थिरुचित्रम्बलम में साथ में देखे जा चुके हैं। फिल्म रायन की बात करें तो यह एक आम आदमी की कहानी पर बेस्ड है। यह एक मारकाट से भरी फिल्म है, जिसे देखते हुए केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने इसे एडल्ट कैटेगरी सर्टिफिकेट दिया है। फिल्म रायन के निर्माता सन पिक्चर्स है।

जाह्नवी कपूर ने टाइट गाउन में अभिनेत्री ने दिखाई कातिल अदाएं

राजकुमार राव के साथ मिस्टर एंड मिसेज माही की सफलता के बाद अब अभिनेत्री जाह्नवी कपूर फिल्म उलझ के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार हैं।फिल्म के निर्देशन की कमान सुधांशु सरिया ने संभाली है। रोशन मैथ्यू, गुलशन देवैया और आदिल हुसैन जैसे सितारे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर सामने आया था। अब उलझ का पहला गाना शौकन रिलीज हो गया है, जिसमें जाह्नवी नशे में झूमती नजर आ रही हैं।

गाने शौकन को नेहा कक्कड़ और जुबिन नौटियाल ने मिलकर गाया है। इस गाने के बोल कुमार ने लिखे हैं। शाश्वत सचदेव ने इसे कंपोज किया है। उलझ 2 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर उलझ का सामना विक्रांत मैसी की द साबरमती रिपोर्ट से होगी, जिसकी कहानी 2002 की गोधरा ट्रेन जलने की घटना पर आधारित है। इसके अलावा अजय देवगन की औरों में कहां दम था भी 2 अगस्त को रिलीज होगी।

गाने में जान्हवी के साथ गुलशन देवैया भी हैं। दोनों एक क्लब में डांस करते हुए और काफी एन्जॉय करते नजर आ रहे हैं। शौकन सोनी म्यूजिक इंडिया के लेबल के तहत रिलीज किया गया है।

गाने के बारे में जान्हवी ने कहा, मैं हमेशा से नेहा कक्कड़ के गानों की फैन रही हूं, और उनके साथ काम करना मेरी विश लिस्ट में शामिल था। शौकन में पहली बार उनके साथ काम करने का मौका मिला। यह गाना आपको डांस फ्लोर पर जाने के लिए मजबूर कर देगा। यह हॉट, ग्लैमरस और ग्रूवी है। मुझे लगता है कि शाश्वत, जुबिन और नेहा ने शानदार गाना तैयार किया है।

फिल्म में जान्हवी सबसे कम उम्र की डिप्टी हाई कमिश्नर सुहाना भाटिया का किरदार निभा रही हैं। उनके सलेक्शन पर सवाल खड़े होते हैं। कुछ लोग आरोप लगाते हैं कि सुहाना की नियुक्ति में नेपोटिज्म का काफी हाथ है, क्योंकि वह एक समृद्ध परिवार से हैं। वह अपने विभाग में अपनी जगह बनाने के लिए काफी मशक्कत करती हैं।

ट्रेलर में दिखाया गया है कि जान्हवी लंदन एंबेसी की एक खबरी की तलाश में निकलती हैं और खुद ही उसके जाल में फंस जाती हैं। अपने ऊपर लगे देशद्रोह का आरोप हटाने के लिए और देश की रक्षा करने के लिए वह उन लोगों से भी भिड़ती हैं, जिन्होंने उन्हें और उनके देश को धोखा दिया है।

जान्हवी कपूर ने फिल्म का ट्रेलर इंस्टाग्राम पर शेयर किया था और कैप्शन में लिखा, हर किसी के पास एक कहानी है। हर कहानी के सीक्रेट्स हैं। हर सीक्रेट में ट्रैप है। इस उलझ को सुलझाना आसान नहीं है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है और यह फिल्म दो अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

चंद्रमुखी चौटाला को अब मिल रहे सिर्फ डायन वाले रोल

तंग आकर छोड़ी इंडस्ट्री सोनी सब के पॉपुलर शो FIR की एक्ट्रेस कविता कौशिक ने टीवी इंडस्ट्री से तौबा कर ली है। एक्ट्रेस ने इसके पीछे एक बड़ी वजह बताई।

पिछले कुछ सालों में कई एक्टर्स ने ज्यादा वर्किंग आवर्स, टॉक्सिक वर्क कल्चर और प्रोग्रेसिव कंटेंट की कमी जैसे कारणों का हवाला देते हुए टेलीविजन छोड़ दिया है। अब एफआईआर में इंस्पेक्टर चंद्रमुखी चौटाला के किरदार के लिए मशहूर एक्ट्रेस कविता कौशिक ने टेलीविजन इंडस्ट्री छोड़ने का फैसला किया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में कविता ने खुलासा किया कि उन्हें टीवी शो में डायन के रोल ऑफर दिए जा रहे हैं।

टीवी इंडस्ट्री छोड़ने के अपने फैसले के बारे में बताते हुए कविता ने टाइम्स नाउ से कहा, टीवी तो मुझे करना ही नहीं है। मैं 30 दिन काम नहीं कर सकती। मैं वेब शो या फिल्में करने के लिए तैयार हूं लेकिन मैं एक नॉर्मल दिखने वाली हीरोइन नहीं हूं जिसे आसानी से सभी तरह के रोल मिल जाएं। केवल कुछ ही तरह के रोल हैं जो मेरी पर्सनैलिटी को सूट करते हैं। मुझे शैतानी रस्में जैसे डायन (चुड़ैल) पर टीवी प्रोजेक्ट ऑफर होते रहते हैं लेकिन मैं वही जिंदगी नहीं जी सकती जो तीन साल पहले थी जब मैं फुल टाइम टेलीविजन कर रही थी। मैं उस दौर के लिए आभारी हूं लेकिन मैं उस वक्त मैं यंग थी और मुझे पैसे चाहिए थे। लेकिन अब मैं उस तरह का समय नहीं दे सकती। असल में जब एफआईआर में ज्यादा समय नहीं लगता था तब भी मैं शिकायत करती थी।

कविता कौशिक हाल में पंजाबी कॉमेडी-ड्रामा कैरी ऑन जट्टा 3 में नजर आई थीं। वह बिग बॉस 14 में भी कंटेस्टेंट थीं। 43 साल की कविता ने कहा कि उन्हें टीवी पर कंटेंट बहुत ही पुराना और पिछड़ी सोच वाला लगने लगा है। इसलिए मैं इसका हिस्सा नहीं बनना चाहती। एक समय था जब टीवी प्रोग्रेसिव था और हमारे पास अलग-अलग तरह के शो थे, वैरायटी थी और सभी के लिए एंटरटेनमेंट था। लेकिन अब जिस तरह का कंटेंट हम दिखा रहे हैं वह युवा पीढ़ी के देखने के लिए वास्तव में खराब है।

डॉ। मधुमती ऑन कॉल एक्ट्रेस ने आगे जोर देकर कहा कि टीवी पर रिग्रेसिव कंटेंट लोगों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करता है और नफरत फैलाता है। उन्होंने कहा, मैं भी इसका हिस्सा रही हूं और मुझे बहुत खेद है। मैंने किसी तरह से उस चीज में अपना योगदान दिया है। मैं टेलीविजन पर जो कुछ भी दिखाता हूं उसे स्वीकार नहीं करती। जो भी बोलो हम भारतीय हैं और हमें लगता है कि जो टीवी पर दिख रहा है वो सच है। हम अनजाने में भी इससे प्रेरित होते हैं।

खूबसूरत साड़ी पहन रश्मिका मंदाना ने कैमरे के सामने दिए किलर पोज

साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की खूबसूरत हसीना रश्मिका मंदाना आए दिन अपनी हॉट फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका हर एक अंदाज सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में रश्मिका मंदाना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टा पर पोस्ट कर फैंस को दीवाना बना दिया है। उनके इस लुक पर से फैंस की नजरें हट पाना मुश्किल हो गई है।

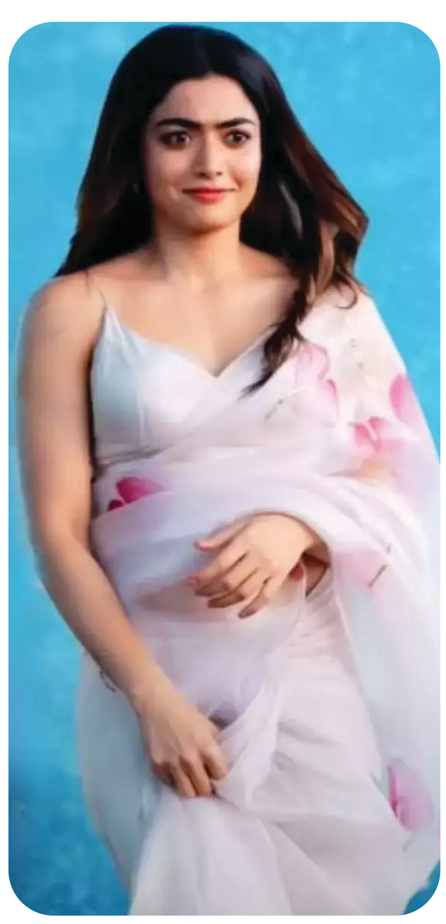

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना आए दिन अपनी लेटेस्ट पोस्ट फैंस के बीच शेयर कर अक्सर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर पोस्ट होते ही छा जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस के लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोज इंस्टाग्राम पर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस लट्टू हो गए हैं। रश्मिका मंदाना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान नीले रंग की साड़ी पहनी हुई थी, जिसमें वो बला की खूबसूरत नजर आ रही थीं।

कानों में इयररिंग्स, बालों में गजरा और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस ने अपनी इस साड़ी के साथ ब्लू कलर का स्टाइलिश ब्लाउज पहना हुआ है जोकि उन पर काफी जंच रहा है।

रश्मिका मंदाना ने जिस तरह से अपने आउटफिट को कैरी किया है वो बेहद ही लाजवाब है। एक्ट्रेस जब भी अपनी पोस्ट शेयर करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करती हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। रश्मिका मंदाना की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

स्लिप्ड डिस्क की वजह से कहीं आपको भी ना करना पड़े व्हीलचेयर का इस्तेमाल

स्लिप्ड डिस्क एक ऐसी स्थिति है जिसमें रीढ़ की हड्डी की डिस्क खिसक जाती है, जिससे कमर और पैर में तेज दर्द होता है। आज हम जानेंगे कि स्लिप्ड डिस्क क्या है, इसके लक्षण क्या होते हैं और इससे बचने के तरीके क्या हैं। ताकि आप भी इस समस्या से बच सकें और हेल्दी रह सकें।

स्लिप्ड डिस्क क्या है?

स्लिप्ड डिस्क एक ऐसी स्थिति है जिसमें रीढ़ की हड्डी के बीच की नरम डिस्क खिसक जाती है या फट जाती है। यह डिस्क रीढ़ की हड्डियों को कुशन की तरह सुरक्षा देती है। जब यह खिसकती है, तो यह नसों पर दबाव डालती है, जिससे कमर, गर्दन और पैरों में तेज दर्द हो सकता है। आमतौर पर यह समस्या भारी सामान उठाने, गलत मुद्रा में बैठने, या उम्र बढ़ने के कारण होती है। सही देखभाल और व्यायाम से इसे ठीक किया जा सकता है। अगर दर्द ज्यादा हो, तो डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

स्लिप्ड डिस्क के लक्षण

- कमर दर्दः कमर में लगातार दर्द रहना, जो हिलने-डुलने से और बढ़ जाता है।
- पैरों में दर्दः कमर से पैर तक दर्द फैल जाना, जिससे चलने-फिरने में कठिनाई होती है।
- सुन्नपनः पैरों या हाथों में सुन्नपन या झुनझुनी महसूस होना।
- कमजोरीः मांसपेशियों में कमजोरी, जिससे चीजों को पकड़ने या उठाने में कठिनाई होती है।

स्लिप्ड डिस्क के कारण

- उम्र बढ़नाः उम्र के साथ डिस्क कमजोर हो जाती हैं और खिसक सकती हैं।
- भारी सामान उठानाः गलत तरीके से भारी सामान उठाने से डिस्क पर दबाव पड़ता है।
- गलत मुद्राः लंबे समय तक गलत तरीके से बैठने या खड़े रहने से रीढ़ की हड्डी पर असर पड़ता है।
- चोटः अचानक गिरने या दुर्घटना से रीढ़ की हड्डी में चोट लग सकती है।

स्लिप्ड डिस्क से बचाव के उपाय

- सही मुद्रा अपनाएंः बैठते और खड़े होते समय सही मुद्रा रखें।
- वजन कंट्रोल में रखेंः मोटापे से बचें, क्योंकि ज्यादा वजन रीढ़ की हड्डी पर दबाव डालता है।
- सही तरीके से सामान उठाएंः भारी सामान उठाते समय घुटनों को मोड़ें और कमर सीधी रखें।
- व्यायाम करेंः रोज़ाना हल्के व्यायाम करें, जो कमर और पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाएं।
- आराम करेंः पर्याप्त नींद लें और शरीर को आराम दें, ताकि वह ठीक हो सके।

स्लिप्ड डिस्क का इलाज

- दवाईयांः डॉक्टर के परामर्श से दर्द निवारक दवाएं लें, जो दर्द और सूजन को कम करें।
- फिजियोथेरेपीः नियमित फिजियोथेरेपी से मांसपेशियों की मजबूती बढ़ती है और दर्द में राहत मिलती है।
- गर्म और ठंडा सेकः दर्द वाले हिस्से पर बारी-बारी से गर्म और ठंडा सेक करें।
- सर्जरीः अगर दर्द बहुत ज्यादा हो और अन्य उपाय काम न करें, तो डॉक्टर सर्जरी की सलाह दे सकते हैं।

कौन से डायबिटीज में खा सकते हैं आलू, नहीं पड़ेगा सेहत पर कोई असर

डायबिटीज यानी शुगर कभी न खत्म होने वाली बीमारी है। इसे सिर्फ कंट्रोल किया जा सकता है। इस बीमारी में खानपान का खास ख्याल रखना पड़ता है। खासकर टाइप 2 डायबिटीज में खाने को लेकर जरा सी भी लापरवाही खतरनाक हो सकती है।

डायबिटिक पेशेंट्स के मन में अक्सर एक सवाल उठता है कि वे आलू खा सकते हैं या नहीं। क्या आलू खाना उनके लिए नुकसानदायक हो सकता है, अगर नहीं तो उसे अपनी डाइट में कैसे शामिल कर सकते हैं। आइए जानते हैं एक्सपर्ट्स से।।।

डायबिटीज में आलू खाएं या नहीं

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, टाइप 2 डायबिटीज के मरीज सही मात्रा में आलू का सेवन कर सकते हैं। आलू में अनाज वाले गुण पाए जाते हैं। इसमें हार्ड कार्बोहाइड्रेट और स्टार्च पाया जाता है। इसमें पोटेशियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, आयरन और जिंक जैसे पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर इन सभी पोषक तत्वों से भरपूर आलू का सही तरह सेवन करते हैं तो ब्लड शुगर बढ़ने का रिस्क कम हो सकता है।

आलू से अन्य फायदे

नए आलू का सेवन डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद हो सकता है। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स 70 के करीब होता है। माना जाता है कि 70 से ज्यादा ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले फूड्स सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आलू का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम करने के लिए उसे पत्तेदार सब्जियों के साथ खा सकते हैं। टाइप 2 डायबिटीज के मरीज दिन में कम से कम 200 ग्राम तक कार्बोहाइड्रेट का सेवन कर सकते हैं।

आलू कैसे खाना चाहिए

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, आलू हमेशा दूसरी सब्जियों के साथ ही खाना चाहिए। ब्रेकफास्ट में आलू-पूरी खा सकते हैं। एंटीऑक्सीडेंट वाले आलू में विटामिन सी पाया जाता है। इसके अलावा आलू की सब्जी, मटर, गोभी और बैंगन के साथ भी खा सकते हैं। इसमें इलेक्ट्रोलाइट दिल, मांसपेशियों, तंत्रिका तंत्र के लिए फायदेमंद हो सकता है। आलू के छिलके में फाइबर मिलता है, जो पाचन के लिए सही है और वजन को कम कर सकता है। हालांकि, आलू का सेवन डॉक्टर की सलाह पर ही करना चाहिए।

विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा से वॉकआउट किया, बजट को बताया भेदभावपूर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)। 23 जुलाई को वित् मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए केंद्रीय बजट को ह्वहृष्ठ्व गठबंधन ने कुर्सी बचाओ बजट और भेदभावपूर्ण बजट बताया है। संसद की कार्यवाही शुरू होते ही संसद के दोनों सदनों में विपक्ष ने जोरदार हंगामा करते हुए नारेबाजी की,विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा से वॉकआउट किया।

संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्षी सांसदों ने प्रदर्शन किया. इसमें सोनिया, राहुल गांधी और अखिलेश यादव भी शामिल हुए। कांग्रेस ने ट्वीट कर लिखा मोदी सरकार का ये बजट भारत के संघीय ढांचे के खिलाफ है।इस बजट में कई राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है।इसी अन्याय के खिलाफ INDIA गठबंधन के नेताओं ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।हमारी ये लड़ाई सड़क से संसद तक जारी रहेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, यह बजट सिर्फ अपने सहयोगियों को संतुष्ट करने के लिए है... उन्होंने किसी को कुछ नहीं दिया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, समर्थन मूल्य किसान को ना देकर गठबंधन के साथियों को दे रहे हैं...उत्तर प्रदेश को बड़े सपने दिखाए थे, क्या मिला उत्तर प्रदेश को?

डबल इंजन की सरकार है तो डबल लाभ मिलना चाहिए था, दिल्ली का लाभ लखनऊ का लाभ लेकिन लगता है कि दिल्ली अब लखनऊ की ओर नहीं देख रही है या लखनऊ वालों ने दिल्ली वालों को नाराज कर दिया उसका परिणाम बजट में दिखाई दे रहा है... विकास बिहार जा रहा है तो उत्तर प्रदेश को क्यों छोड़ रहे हैं? बाढ़ अगर बिहार की रोकनी है तो नेपाल और उत्तर प्रदेश की बाढ़ रोके बिना आप बिहार की बाढ़ कैसे रोकेंगे? आप पहले उत्तर प्रदेश और नेपाल की बाढ़ रोके तो बिहार की बाढ़ अपने आप रुक जाएगी।

बजट के विरोध के बीच लोकसभा की कार्यवाही शुरू

केंद्रीय बजट पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बजट बहुत शानदार है और सभी ने इसका स्वागत किया है। विपक्ष यह कहकर गुमराह करने की कोशिश कर रहा है कि यह सिर्फ 2 राज्यों का बजट है। बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए 11 लाख 11 हजार 111 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का आवंटन 1-2 राज्यों के लिए नहीं है, यह पूरे देश के लिए है, बुनियादी ढांचे से लेकर चिकित्सा, मध्यम वर्ग के लोगों को छूट देना, किसानों को दी जाने वाली सुविधाएं या आदिवासियों को अलग पैकेज देना, यह सब देश के लिए किया गया है। यह कहना गलत है कि पूरा केंद्रीय बजट 1 या 2 राज्यों के लिए है।

अखिलेश यादव का बजट को लेकर केंद्र पर तंज

एसपी चीफ अखिलेश यादव ने कहा कि हमें किसानों के लिए स्द्बस्क्क की मांग की थी लेकिन केंद्र सरकार ने किसानों को देने की जगह गठबंधन को चला रहे सहयोगियों को सपोर्ट प्राइस दे दिया। सरकार ने महंगाई को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। उत्तर प्रदेश को बजट में कुछ नहीं मिला। यूपी को तो डबल इंजन सरकार से डबल फायदा मिलने की उम्मीद थी। मुझे लगता है कि लखनऊ के लोगों ने दिल्ली के लोगों को नाराज कर दिया है।

बजट 2024 पर बोले खरगे, ये अन्याय है, हम प्रदर्शन करेंगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि आम बजट में कई राज्यों की अनदेखी की गई है। उन्होंने कहा कि ये अन्याय है और हम इसका विरोध करेंगे। ये एक जनविरोधी बजट है। इंडिया गठबंधन आज संसद भवन में बजट के खिलाफप्रदर्शन कर रहे हैं। माना जा रहा है कि आज सदन का सत्र भी हंगामेदार रहेगा।

खास खबर

हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी की दूसरी मुख्य परीक्षा प्रारंभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी की द्वितीय मुख्य परीक्षा वर्ष 2024 आज 23 जुलाई से प्रारंभ हो गई जो 12 अगस्त तक चलेगी। मंडल की सचिव पुष्पा साहू (आईएएस) द्वारा विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। माध्यमिक शिक्षा मंडल की सचिव श्रीमती पुष्पा साहू शासकीय उमावि सुपेला, भिलाई में आकस्मिक निरीक्षण के दौरान मुख्य गेट पर ताला न लगाये जाने के सख्त निर्देश केंद्राध्यक्ष को दिए तथा समस्त प्रविष्टियों को निर्धारित प्रारुप में पूर्ण रूप से भरे जाने हेतु निर्देशित किया। इसी तरह परीक्षा केंद्र शासकीय उमावि भिलाई 3 का भी निरीक्षण किया गया। यहां परीक्षा सुचारु रूप से संचालित होना पाया गया। परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण दौरान मण्डल के अवर सचिव भोज राम साहू, सहायक प्राध्यापक श्रीमती प्रीति शुक्ला भी मौजूद रहे। परीक्षा के सुचारू संचालन को लेकर माशिमं द्वारा पूर्व में ही सभी केंद्रों को निर्देश दिए गए है। केंद्राध्यक्षों को परीक्षा की तैयारी और सावधानी के बारे में प्रशिक्षण भी दिया गया। गौरतलब है कि परीक्षा के सुचारू रूप से संचालन एवं नकल प्रकरण पर अंकुश लगाने के लिए माध्यमिक शिक्षा मण्डल की अध्यक्ष रेणुजी पिल्ले की अध्यक्षता एवं सचिव पुष्पा साहू की उपस्थिती 23 जुलाई को राज्य स्तर पर आनलाईन प्रशिक्षण उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में राज्य के उड़नदस्ता टीम के सदस्य और विभिन्न जिलो के शिक्षा अधिकारीगण शामिल हुए।

जिले के स्कूलों में उत्सव के रूप में मनाया गया गुरु पूर्णिमा

गरियाबंद। प्राचीन काल से ही हमारे समाज में गुरु का स्थान सर्वोच्च एवं अत्यंत सम्मानीय है। गुरु की तुलना ईश्वर से कर समाज में गुरु की महत्ता एवं प्रासंगिकता को रेखांकित किया जाता है। गुरु एवं शिक्षक राष्ट्र एवं समाज के निर्माता होते हैं। राज्य शासन द्वारा गुरुजनों के सम्मान के लिए स्कूलों में गुरु पूर्णिमा का कार्यक्रम आयोजन के तारतम्य में जिले के स्कूलों में भी गुरु पूर्णिमा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। गुरुओं के सम्मान के लिए आयोजित गुरु पूर्णिमा उत्सव के रूप में मनाई गई कार्यक्रम में सेवानिवृत्त शिक्षकों, वरिष्ठ नागरिकगणों एवं साधु - संतो का शॉल-श्रीफ्ल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शामिल गुरुओं ने प्रेरणादायी बातों एवं अपने अनुभवों को साझा कर बच्चों को प्रोत्साहित किया। साथ ही अपने वरिष्ठजनों एवं गुरुओं के मानसम्मान को बनाये रखने का ज्ञान एवं जीवन में उनके महत्व को विस्तार से बताया। गुरू पूर्णिमा के कार्यक्रम में बच्चों को भी अपने गुरूओं से ज्ञान अर्जित करने एवं उनका सम्मान करने की सीख मिली। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षकों, अतिथियों एवं विद्यार्थियों ने गुरू पूर्णिमा के पावन अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर गुरूओं ने विद्यार्थियों को अपने माता-पिता, गुरूओं तथा बड़े-बुजुर्गों का मन से सदा सम्मान करने एवं इनके बताएं हुए रास्तों पर चलने को कहा।

नगरीय निकायों में 27 से लगेंगे शिविर

गरियाबंद। राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि 27 जुलाई से 10 अगस्त के मध्य जनसमस्या निवारण पखवाड़ा का आयोजन प्रत्येक वार्ड में किया जायेगा। शिविर में नगरीय निकाय के सभी विभाग के अधिकारी उपस्थित होकर समस्या का निराकरण यथा संभव मौके पर ही करेंगे। इस शिविर में करदाताओं को भी करों का भुगतान वार्ड में ही करने की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। जिले के नगर पालिका परिषद् एवं नगर पंचायत क्षेत्र में जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के रूप में वार्डवार शिविर का आयोजन किया जायेगा। जहां स्थानीय समस्याओं का निदान किया जा सकेगा। ऐसे शिविरों में नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अध्यक्ष, पार्षदों एवं अन्य जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति से आमजन की भागीदारी में भी वृद्धि होगी। उल्लेखनीय है कि स्थानीय नगरीय निकायों द्वारा अपने क्षेत्र के नागरिकों को नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना मुख्य दायित्व है। स्थानीय नागरिक समस्याएं यथा-नल कलेक्शन, राशन कार्ड, राष्ट्रीय परिवार सहायता, भवन निर्माण अनुज्ञप्तियां, अनापत्ति प्रमाण पत्र, नामांतरण स्वरोजगार के प्रकरण तथा कई विविध छोट-छोटे कार्य होते है, जिनका निराकरण शीघ्र अपेक्षित होता है।

समय पर प्रॉपर्टी टैक्स भुगतान करने वाले करदाताओं को 4 प्रतिशत छूट

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र के समस्त करदाताओं को वर्तमान वित्तीय वर्ष का सम्पत्ति कर का भुगतान किये जाने पर 4 प्रतिशत का छुट का लाभ दिया जा रहा है।सम्पत्ति कर सनहाल का भुगतान कर छुट का फायदा उठाया जा सकता है। आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने बताया कि शहर में ऐसे भी बहुत सारे करदाता ऐसे है,जिन्होने पूर्व के वर्षो का टैक्स का भुगतान अभी तक नहीं किया है।

जिसके कारण उन्हे पैनाल्टी सहित टैक्स का भुगतान करना पड़ता है। समयसीमा में टैक्स की राशि का भुगतान कर निगम को सहयोग प्रदान करे तथा अनावश्यक पैनाल्टी से भी बचे।उन्होंने अपील कर करदाताओं से कहा कि समय पर टैक्स का भुगतान, जिम्मेदार नागरिको की पहचान बने।उन्होंने कहा सभी करदाताओं से अनुरोध है कि, नगर विकास तथा आपके मूलभूत सुविधा में लगे कर्मचारियों को समय से वेतन भुगतान के लिए आप अपना टैक्स की राशि का भुगतान जल्द करें।नगर निगम के अंतर्गत रहने वाले लोगों के लिए प्रॉपर्टी टैक्स में छूट का आखिरी मौका है. जुलाई तक संपत्ति कर भुगतान करने वाले करदाताओं को चार प्रतिशत की छूट दी जावेगी.घर बैठे भुगतान कर छूट का लाभ उठाया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ चेम्बर की वर्तमान कार्यकारिणी समिति की अंतिम बैठक संपन्न

चेम्बर चुनाव के लिए शिवराज भंसाली मुख्य चुनाव अधिकारी मनोनीत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष- राजेन्द्र जग्गी ,विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की वर्तमान कार्यकारिणी समिति की अंतिम बैठक आज दिनांक 23 जुलाई 2024 को दोपहर 12 बजे चेम्बर कार्यालय चै.देवीलाल व्यापार उद्योग भवन बाम्बे मार्केट, रायपुर में आयोजित हुई।

तत्पश्चात् विषय सूची के अनुसार बैठक की कार्यवाही प्रारंभ हुई जिसमें पिछली कार्यकारिणी की बैठक की कार्यवाही का पठन एवं अनुमोदन, प्राप्त नये सदस्यता आवेदन पत्रों की सूक्ष्म जांच के पश्चात स्वीकृति प्रदान की गई, 75 सदस्यों से प्राप्त आवेदन फर्मों के नाम/स्थान/प्रतिनिधि के नाम परिवर्तन, रू. 10000 से अधिक के खर्च की स्वीकृति, चेम्बर के आगामी चुनाव के संबंध में विचार विमर्श,

चेम्बर चुनाव हेतु चुनाव अधिकारी मनोनीत करने,चेम्बर कर्मचारियों के वेतन वृद्धि पर चर्चा एवं अन्य विषय-अध्यक्ष महोदय की अनुमति से आदि विषयों पर चर्चा हुई। उपरोक्त सभी विषयों पर कार्यकारिणी सदस्यों ने स्वीकृति प्रदान की।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष पारवानी ने कार्यकारिणी समिति की अंतिम बैठक में अपने उद्बोधन में पूरे 3 वर्ष के कार्यकाल में किये गये कार्यों एवं उपलब्धि की विस्तृत जानकारी सदस्यों को दी एवं होलसेल कारिडोर, जीएसटी, वेट टैक्स,वन टाइम सेटलमेंट, स्मार्ट बाजार, ई-वे बिल, मुद्रा लोन योजना के संबंध में प्रकाश डाला। उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चेम्बर के संरक्षक, सलाहकार, पदाधिकारियों, युवा, महिला, उद्योग, ट्रांसपोर्ट चेम्बर, इकाई के पदाधिकारियों एवं सदस्यों एवं चेम्बर कर्मचारियों का मुझे भरपूर सहयोग मिला जिससे इस 3 वर्ष का कार्यकाल सफ्ल हुआ। शासन एवं प्रशासन के साथ ही इस पूरे कार्यकाल में मीडिया ने भी भरपूर सहयोग किया।

बलौदा बाजार हिंसा : विधायक रिकेश ने सदन में लहराया घटना का फोटो पोस्टर, कहा-भड़काने वालों पर होनी चाहिए कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विधानसभा के मानसून सत्र में बलौदाबाजार हिंसा का मुद्दा छाया हुआ है। विपक्ष लगातार सरकार पर हावी होने का प्रयास कर रहा है। इस बीच मंगलवार को वैशाली नगर विधायक ने हिंसा का एक फोटो पोस्टर लहराया जिसके बाद हंगामा बढ़ गया।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि दो दिन से लगातार चाहे वह नेता विपक्ष हों, चाहे कांग्रेस के अन्य सदस्य, सबका एक ही सवाल था कि बलौदा बाजार वाली घटना में किस षड़यंत्रकारी का हाथ था और उसकी जांच क्यों नहीं हो रही है? आज भी अनुपूरक बजट में बोलते बोलते कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने कहा कि षड़यंत्रकारी का पर्दाफ़ाश होना चाहिए और ऐसे लोग चाहे वह कोई भी राजनीतिक दल के क्यों न हों, जो लोग वहां पर उपस्थित थे और भीड़ को भड़काने का नाम लिए थे।

विधायक रिकेश ने कहा कि ऐसे लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए, फर्जी तरीके से लोगों पर कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। इस बात पर विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि सदन में एक व्यक्ति ऐसे भी हैं जो भीड़ में वहां पर लोगों को भड़काने का काम कर रहे थे। इस पर कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने कहा कि आप एक फोटो दिखा दीजिए कि ऐसा कोई सदस्य भीड़ में शामिल था। कांग्रेस विधायके के कहने पर रिकेश सेन ने सदन को फोटो पोस्टर दिखाया। इस फोटो पोस्टर में विधायक देवेन्द्र यादव बैठे दिख रहे हैं।

विधायक रिकेश ने कहा कि यह जो फोटो उन्हीं के आईडी से निकाला हुआ है। उनके इंस्टाग्राम से निकाला हुआ, उनके फेसबुक पेज से निकाला हुआ ये पोस्टर है जिन्होंने पूरे भीड़ को भड़काने का काम किया। समाज के लोगों को एनएसयूआई और यूथ कांग्रेस के लोगों ने भड़काने का काम किया है और उसके लिए लगातार पुलिस इसकी जांच भी कर रही है। विधायक रिकेश ने कहा कि क्योंकि उमेश पटेल जी ने कहा एक फोटो दिखा दो हम मान जाएंगे, इसलिए मुझे सदन में यह फोटो लहराना पड़ा। तब कांग्रेस विधायकों ने चुप्पी साध ली। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेलजी ने खड़े होकर अवश्य कहा कि रिकेशजी ऐसे सदन में पोस्टर लहराना गलत है। इसको नहीं दिखाना चाहिए, यह आपत्तिजनक है।

विधायक रिकेश ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष ने भी कहा कि सदन में ऐसे पोस्टर नहीं लहराए जाते लेकिन यह स्पष्ट हो गया इस पोस्टर से। क्योंकि यह उनके ऑफिशियल अकाउंट से है कि उस भीड़ को भड़काने में अगर किसी का हाथ है तो उसे देवेंद्र यादव का हाथ है और उन्होंने एक षड्यंत्र के तहत यूथ कांग्रेस एनएसयूआई के लोगों ने जो हैं, आगजनी की है जिसकी पुलिस जांच कर रही है और जांच के बिंदु में भी कल बलौदा बाजार पुलिस ने देवेंद्र यादव को बुलाया था।

दुर्ग में पहली बार मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़ का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग स्थित महेन्द्रा रिसोर्ट में पहली बार मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़ प्रतियोगिता का आयोजन 25 जुलाई की शाम 4 बजे से आयोजित होगा। मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में सुष्मिता सेन, लारा दत्ता, उर्वशी रौतेला, हरनाज संधू जैसे कई हस्तियां देश का नाम रौशन कर चुकी है। इसी की तर्ज पर मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें मिस एशिया पेसिफिक 2024 सोफिया सिंह जज होंगी।

मिस इंडिया क्लासिक 2024 की स्टेट डायरेक्टर गीत सोन ने बताया कि डायरेक्टर निखिल आनंद के मार्गदर्शन में ग्लैमानंद के बैनर तले आयोजित मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़ प्रतियोगिता में प्रदेश से कई प्रतिभागी शामिल होंगी।

फाइनलिस्ट का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने और फिर वैश्विक स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया जाएगा। फाइनलिस्ट को 25 जुलाई को महेन्द्रा रिसोर्ट में जज के हाथो ताज पहनाया जाएगा।

गुरू का स्थान समाज में सर्वोच्च एवं अत्यंत सम्मानीय - कलेक्टर

बालोद। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने कहा कि प्राचीन काल से ही हमारे समाज में गुरू का स्थान सर्वोंच एवं अत्यंत सम्मानीय है। चन्द्रवाल ने कहा कि हमारे मनिषियों ने गुरू की तुलना ईश्वर से कर समाज में गुरू की महत्ता एवं प्रासंगिकता को रेखांकित किया है। श्री कलेक्टर चन्द्रवाल सोमवार 22 जुलाई को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम स्कूल बालोद में आयोजित गुरू पूर्णिमा समारोह में अपना उद्गार व्यक्त कर रहे थे। श्री चन्द्रवाल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर उन्होंने अनादि काल से लेकर आज तक राष्ट्र के निर्माण में पूज्य गुरूओं के अवदानों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

खास खबर

सूने मकान में चोरी करने वाले तीन चोर पकड़ाये

धमतरी। जिले की सिहावा थाना पुलिस ने पिछले दिनों हिन्छापुर सांकरा में एक घर में हुई चोरी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से चोरी का सामान बरामद किया है।

मिली जानकारी के अनुसार हिन्छापुर सांकरा निवासी नागेश्वर देवदास पिता उदय देवदास ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 18 जुलाई को वह अपने घर मे ताला लगाकर ड्यूटी पर चला गया तथा वहीं उसकी पत्नी भी ड्यूटी पर चली गई थी। तथा शाम करीबन 5 बजे के लगभग वापस घर आई तो देखा कि घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था तथा आलमारी का लॉकर टुटा हुआ था एवं लॉकर के अंदर रखे हुए सोने चांदी के जेवरात एवं नगदी रकम को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया था। मामले की रिपोर्ट पर थाना सिहावा मे धारा 331 (3),305 (ए), 3(5) बीएनसएस कायम कर विवेचना ने लिया गया। विवेचना दौरान तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर सूचना के आधार पर थाना स्टॉफ एवं सायबर सेल की संयुक्त टीम द्वारा नगरी पहुंच कर संदेही आकाश ध्रुव उर्फ माया पिता स्व. कृष्ण कुमार साहू निवासी जंगलपारा नगरी थाना नगरी, पियुष साहू पिता प्रेमशंकर साहू उम्र 20 वर्ष निवासी जंगलपारा नगरी तथा दीगेन्द्र किरन पिता अमृत लाल साहु उम्र 27 वर्ष निवासी लाईन पारा नगरी को हिरासत में लेकर पूछताछ किया तो आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए चोरी करना स्वीकार किया। जिसके बाद आरोयिों के बयान के आधार पर उनसे सोने एवं चांदी जेवरात कीमत 75हजार रूपय,एक नग मोटर सायकल तथा दो मोबाईल फोन जब्त किया गया। मामले में आरोपियो के खिलाफ धारा 331 (3),305 (ए), 3(5) बीएनसएस के अपराध दर्ज कर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मासूम बच्ची की हुई मौत

कोंडागांव। जिले के बड़ेडोंगर थाना क्षेत्र अंर्तगत ग्राम कोरई गांव के खेलते-खेलते घर के सामने पानी से भरे गड्ढे में डूबने से डेढ़ साल के मासूम बच्ची की मौत हो गई। बच्ची के शव के पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार आज मंगलवार सुबह सुबेराम पटेल की डेढ़ साल की बेटी हिमानी पटेल अपने घर के सामने खेल रही थी। इसी दौरान खेलते-खेलते वह घर के सामने स्थित पानी से भरे गड्ढे में डूब गई। जब उसे बाहर निकाला गया उस समय उसकी हल्की सांसे चल रही थी। जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाने के दौरान उसकी सांसे थम गई। परिजनों की रिपोर्ट पर बड़ेडोंगर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर बच्ची के शव का पोस्टमॉर्टम कराया, उसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

सूर्या मॉल में खाद्य विभाग की दबिश

केएफसी, पिज्जाहट, डोमिनोज में मिली खामियां, नोटिस हुआ जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों द्वारा जिले में खाद्य गुणवत्ता को लेकर बड़ी कार्यवाही की गई हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने सोमवार शाम सूर्या ट्रेजर आईलैण्ड माल मिलाई स्थित केएफसी डोमिनोज, मैकडानल्ड, पिज्जा हट, हल्दीराम रिसाली स्थित डॉमिनोज पर छापामार कार्रवाई की गई। इस जांच कार्यवाही में कंपनियों के खाद्य पदार्थों के रख-रखाव एवं दस्तावेजों संबंधित बड़ी लापरवाही सामने आई है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने सूर्या ट्रेजर आईलैण्ड माल में मल्टीनेशलन फूड कंपनी केएफसी में तलने के लिए जो तेल इस्तेमाल होता है, मौके पर जांच कि एवं खाद्य तेल का नमूना संकलित कर जांच के लिए भेजा गया है। इस्तेमाल किए जा रहे तेल को निर्धारित टीपीएम से अधिक होने पर दुबारा इस्तेमाल नही किए जाने निर्देशित किया गया। वहीं पिजा हट में वेज और नानवेज खाद्य पदार्थों को एक ही फ्रीजर में रखा पाया गया। पेंकिंग के लिए इस्तेमाल हो रहे ट्रे कि सफाई में भी लापरवाही दिखी।

जांच के दौरान मौके पर कार्यरत कर्मियों का मेडिकल जांच रिपोर्ट नहीं पाया गया। वेज और नानवेज प्रोसेसिंग एरिया में बनाए गए काऊटर में आईडेंटि फिकेशन नही मिला। विभाग से सुधार करने हेतु 10 दिन का समय देकर इंप्रूवमेंट नोटिस जारी किया। इसी प्रकार मेकडोनलाड में वेज और नानवेज खाद्य पदार्थों को एक ही स्टोर रूम में रख होना पाया गया। मौके पर कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट एवं रजिस्टर्ड कंपनी से पेस्ट कंट्रोल सर्टिफिकेट नही पाया गया। अधिकारियों द्वारा नोटिस जारी किया गया है।

सूर्या ट्रेजर आइलैण्ड में संचालित डोमिनोज में खाद्य विभाग कि टीम को खाद्य लाइसेंस डिसप्ले मे नही मिला। एक ही फ्रिज में वेज नानवेज का सांघरण पाया गया। इसके साथ ही वहां कार्य करने वाले कर्मियों के मेडिकल जांच रिपोर्ट कि गलत जानकारी दी गई। जांच करने पर पाया गया जिन व्यक्तियों के मेडिकल सर्टिफिकेट दिखाए गए मौके पर वह व्यक्ति कार्यरत ही नही थे। रजिस्टर्ड एजेन्सी से पेस्ट कंट्रोल कराया जाना नही गया। वेज-नानवेज पिज्जा सेकने के लिए एक ही ट्रे का उपयोग किया जा रहा था। मौके पर डोमिनोज का गुमास्ता लाइसेंस वैध होना नही पाया गया विभाग द्वारा नोटिस जारी करते हुए 10 दिवस का समय दिया गया है।

घूम-घूमकर दोपहिया वाहन चोरी करने वाले चोर पकड़ाए, 14 वाहन बरामद

रायपुर। राजधानी की तेलीबांधा थाना पुलिस ने चोरी की दुपहिया वाहन बेचने का प्रयास कर रहे दो चोरों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से दो दर्जन से अधिक दुपहिया वाहन बरामद किया है। आरोपी शहर के विभिन्न स्थानों में घुम-घुमकर मास्टर चाबी से लॉक खोलकर वाहन चोरी करते थे।

मिली जानकारी के अनुसार निरंकारी भवन के सामने तेलीबांधा में रहने वाली निशा नत्थानी पति जयंत नत्थानी 35 वर्ष ने थाना तेलीबांधा में 9 जुलाई 2024 को रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 4 जुलाई 2024 को वह अपने स्कूटी क्रमांक सीजी 04 एमबी 2133 से अपने नत्थानी बुटिक महावीर नगर गई थी जहां से किसी अज्ञात चोर उसके उक्त स्कुटी को चोरी कर लिया। रिपोर्ट पर थाना न्यू राजेन्द्र नगर में धारा 303 (2)बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। चोरी की इस घटना में पुलिस चोर की तलाश कर रही थी इसी दौरान पुलिस को मंगलवार को मुखबीर से सूचना मिली कि कोई व्यक्ति फल मण्डी के पीछे मोटर सायकल बेचने के लिये ग्राहक तलाश रहा है। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर वहां से दो व्यक्ति टोपेश्वर साहू उर्फ संजू पिता जनपद साहू 28 वर्ष निवासी सेक्टर.01, पी.26 के सामने सब स्टेशन के पास अवंति विहार थाना खमहारडीह रायपुर एवं जितेन्द्र निषाद पिता धान कुमार निषाद उम्र 34 वर्ष निवासी ग्राम हथखोज तह थाना राजिम जिला गरियाबंद हाल मुकाम ब्लाक नं. 02, म.नं. 05 बीएसयूपी कालोनी थाना तेलीबांधा जिला रायपुर का होना बताया। पुछताछ में दोनों ने बताया कि वे विगत 5- 6 महीनों से साथ मिलकर न्यू राजेन्द्र नगर क्षेत्र, बुढ़ा तालाब, मोवा पंडरी कपडा मार्केट, कटोरा तालाब, रामसागरपारा, अवंति विहार जगन्नाथ मंदिर पास एवं अन्य जगहों से अपने पास रखे मास्टर चाबी से वाहन चालू कर एक्टिवा,जुपिटर, एक्सेस,पल्सर,हीरों होडा स्पेलेडर,होडा साईन की चोरी की थी। जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 14 नग मोटर सायकल एवं एक्टीवा वाहन जप्त किया तथा आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

आंगनबाड़ी से लगे नाले में बहा 3 साल का मासूम बच्चा नैतिक, 3 किमी दूर नाले में मिली लाश

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के डौंडीलोहरा ब्लाक के ग्राम भेड़ी में स्थित आंगनबाड़ी से मंगलवार दोपहर से लापता तीन साल के मासूम नैतिक सिन्हा का शव बुधवार की सुबह गांव से 3 किमी दूर नाले में मिला। बताया जा रहा है कि आंगनबाड़ी में पढ़ने गया हुआ था। जहां आंगनबाड़ी से लगे हुए नाले में बह गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कलेक्टर के निर्देश पर चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। आदेश में बताया गया कि डौण्डीलोहारा तहसीलदार द्वारा संज्ञान में लाया गया कि ग्राम भेड़ी के आंगनबाड़ी क्रमांक 1 में आए बच्चों में से एक मासूम नैतिक सिन्हा लापता हो गया हैं। आंगनबाड़ी में पढ़ने आए बच्चों में से एक बच्चे ने जानकारी दी कि नैतिक सिन्हा आंगनबाड़ी के समीप में नाले में

बह गया है। इसके बाद से पुलिस विभाग, नगर सेनानी विभाग व राजस्व विभाग की संयुक्त टीम नैतिक सिन्हा की खोज में जुटी है।

ग्राम भेड़ी में ग्राम पंचायत से लगे आंगनबाड़ी स्थित है उसमें 3 साल के मासूम नैतिक सिन्हा पिता वासुदेव सिन्हा पढ़ने गया था। जहां वह पढ़ने वाले बच्चों के साथ बाहर खेल रहा था। खेलते-खेलते पास के नाली में बह गया। घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम, पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची और बच्चे की खोजबीन जारी रखी।

1 किलोमीटर दूर बटेरा नाला है, जो गांव का नाली वहां जा के मिलता है जो बच्चा बह के वहां तक पहुंच गया होगा। क्योकि पिछले 3 दिनों से हो रही मुसलाधार बारिश से छोटे-छोटे नाले उफान पर है। पूरे मामले में अब लापरवाही की बात भी समाने आई है। जहां बच्चा आगनबाड़ी में पड़ने गया था और ये घटना घट गई। इस बड़ी लापरवाही में आगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका की देखी जा रही है। वहीं डौंडीलोहरा पुलिस भी अब मामले में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका का बयान लेकर विवेचना कर रही है। वहीं इतने बड़े नाली को ऐसे खुला छोड़ने के मामले में पंचायत सचिव और सरपंच की बड़ी लापरवाही सामने आई है।

छोटे भाई की हत्या कर रायपुर के उरला में छिपा था आरोपी

■ पांच माह बाद ऐसे आया पुलिस की गिरफ्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। जिले में आपसी विवाद के बाद छोटे भाई की हत्या कर फरार हुआ आरोपी बड़ा भाई पांच माह बाद पुलिस की गिरफ्त में आया। आरोपी ने अपने छोटे भाई को डंडें से बुरी तरह पीटा था जिससे उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद गिरफ्तारी के डर से आरोपी फरार हो गया। पांच माह बाद पुलिस ने आरोपी को रायपुर के उरला से गिरफ्तार किया है। मामला जांजगीर चांपा जिले का है।

मिली जानकारी के अनुसार संतोषी बाई बरेठ ने थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई की 3 मार्च की रात करीबन 8 बजे उसका बड़ा बेटा सुरेश बरेठ काम करके घर आया। घर आने के बाद वह खाना खा रहा था। उसी समय छोटा बेटा संतोष बरेठ शराब के नशे में धुत होकर घर आया और सुरेश को खाना खाता देखा उसके थाली को लात मार दी। जिससे पूरा खाना बिखर गया। इसके बाद दोनों भाई भिड़ गए। मां संतोषी आसपास मदद के लिए गई लेकिन कोई मदद नहीं मिलने पर वापस आई तो देखा कि सुरेश के हाथो में डंडा था और व अपने छोटे भाई संतोष को बुरी तरह पीट रहा है। इससे उसके सिर और शरीर में चोट आई। इसी हालत में उसे बेड में सुलाकर रात को सुरेश बरेट दूसरे के घर सोने चला गया।

4 मार्च की सुबह जब सुरेश आया तो देखा कि मारपीट के डंडे से चोट लगने से संतोष बरेठ की मौत हो गई। यह देख वह घबरा गया और वह फरार हो गया। इसी दिन शाम को उसकी मां जब घर पहुंची और देखा कि संतोष बरेट मृत अवस्था में पड़ा है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा के बाद शव का पीएम कराया। पीएम रिपोर्ट में सिर में गंभीर चोट आने से मौत होने की पुष्टि होने पर चांपा थाने में धारा 302 के तहत मामला दर्ज किया गया।

इसके बाद से ही आरोपी सुरेश बरेट की पता तलाश की जा रही थी। घटना दिनांक से वह फरार चल रहा था। 5 माह बाद पुलिस को सूचना मिली कि रायपुर उरला में सुरेश कुमार बरेठ छिपा हुआ है। पुलिस टीम रायपुर उरला पहुंची और सुरेश को पुलिस हिरासत में लेकर जांजगीर चांपा जिला पहुंची। घटना के संबंध में पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार किया और एक जंगली लकड़ी का डंडा बरामद किया गया है। आरोपी सुरेश कुमार बरेठ (43)वर्ष को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

पुलिस ने आधे बाल मुंडाकर बदमाशों का निकला जुलूस

■ युवक का किडनैप कर की थी पिटाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में युवक का अपहरण कर मंदिर हसौद ले जाकर पिटाई करने वाले आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार कर लाया गया। बदमाशों ने न सिर्फ युवक की पिटाई की थी बल्कि अधमरा कर फेंक कर चले गए थे। इसका वीडियो बनाकर भी वायलर किया था। पुलिस को काफी समय से आरोपियों की तलाश थी। मोबाइल लोकेशन के आाधार पर पुलिस ने आरोपियों को नईदिल्ली से गिरफ्तार किया। मंगलवार को बारिश के बीच बदमाशों का सिर मुंडाकर जुलूस निकाला गया। इस दौरान आरोपी अपराध करना पाप है, पुलिस हमारी बाप है कहते नजर आए।

मिली जानकारी के अनुसार आरोपित और प्रार्थी दोनों दोस्त है। पुराने विवाद के चलते प्रिंस बागडे, अंकुश रहनडाले, अनिल सिन्हा और ललित ने युवक से मारपीट की थी। पहले उसे मिलने के लिए बुलाया। गुढ़ियारी क्षेत्र के एक घर के कमरे में बंद कर पिटाई की गई। इसके बाद उसे कार में बैठाकर मंदिर हसौद क्षेत्र में ले गए। वहां भी उसकी पिटाई की, जिससे युवक बेहोश हो गया। बेसबाल से पीटते हुए वीडियो भी बनाया। बेहोश होने पर मरा समझकर सड़क किनारे फेंक कर फरार हो गए। इस मामले में पुलिस अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों की तलाश कर रही थी।

घटना के बाद से ही आरोपी फरार थे और लगातार पुलिस को गुमराह करने का प्रयास कर रहे थे। इसके लिए आरोपियों ने इंस्टाग्राम का सहारा लिया था। फरारी के दौरान आरोपी कई बार इंस्टाग्राम में लाइव भी आए। जिसमें वो पार्टी करते दिख रहे थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर रील्स बनाकर भी शेयर किए। जिसमें पुलिस को गुमराह करने के लिए दूसरे जगहों का नाम लिखकर फोटो शेयर किया। इस बीच उनका मोबाइल लोकेशन दिल्ली का मिला। इसके बाद पुलिस ने एक टीम बनाई और में लोकेशन के आधार पर आरोपी प्रिंस बागडे, अंकुश रहनडाले, अनिल सिन्हा और ललित को गिरफ्तार कर रायपुर ले आई। रायपुर में भारी बारिश के बीच चारों बदमाशों का जुलूस निकाला गया।

विद्युत ट्रांसफॉर्मर में हुआ विस्फोट, दो छात्राएं घायल

सुकमा। जिले के एकलव्य कन्या छात्रावास के नज़दीक विद्युत ट्रांसफॉर्मर में मंगलवार को विस्फोट हो गया, जोरदार धामाके के साथ विस्फोट होने से छात्रावास में रहने वाले बच्चे डरकर भागने लगे इस भगदड़ से छात्रावास की दो छात्राएं गिरने से घायल हो गई, घायल छात्राओं को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। एकलव्य कन्या छात्रावास के सभी छात्राएं हैं सुरक्षित हैं। इस घटना की सूचना पर मौके पर डिप्टी कलेक्टर ,एसडीएम और ट्राइबल विभाग के कर्मचारी पंहुचकर बच्चों का हाल जाना तथा विद्युत ट्रांसफॉर्मर को तत्काल सुधारने के निर्देश दिए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही सुकमा जिला अस्पताल के सिविल सर्जन भी अस्पताल पंहुचकर घायल बच्चों का हाल जाना।

दो नक्सली स्मारकों को किया ध्वस्त

सुकमा। जिले के पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चव्हाण के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में जिले में चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत एक ओर लगातार नक्सलियों के विरुद्ध प्रभावी अभियान कार्रवाई जारी है, वहीं दूसरी ओर अंदरूनी ग्रामीण क्षेत्रों में नक्सलियों के भय व हिंसा के प्रतीक के रूप में बने वृहद स्मारकों को हटाकर स्थानीय ग्रामीणों में भी नक्सलियों के विरुद्ध जागरूकता व क्षेत्र के माहौल को भय मुक्त बनाने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। इसी तारतम्य में आज मंगलवार को थाना गोलापल्ली मे जिला पुलिस बल व डीआरजी की टीम के द्वारा ग्राम सिंगाराम मे बनाये गए दो स्मारक कों ग्रामीणों के समक्ष ध्वस्त किया गया।

सांप काटने से मासूम बच्चे की व बिजली गिरने से बुजुर्ग की मौत

रामानुजगंज। रामानुजगंज थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग घटनाओं में एक मासूम की मौत सांप काटने से हो गई वहीं दूसरे घटना में बुजुर्ग की मौत खेत में पानी पटाने के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से हो गई। पहली घटना ग्राम गम्हरिया एवं दूसरी घटना महवीरगंज की है दोनों घटना में रामानुजन थाने में मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम गम्हरिया के 5 वर्षीय मासूम सुरेंद्र कोरवा पिता बबलू कोरवा को अपने घर मे सुबह 3 बजे के करीब सोने के दौरान बाएं पैर में सांप काटने के बाद तुरंत उसकी मृत्यु हो गई। वही ग्राम गम्हरिया के 58 वर्षीय रामलाल नागवंशी सोमवार रात अपने खेत में पानी पटा रह था इसी दौरान आकाशीय बिजली उनकी मृत्यु हो गई। दोनों घटना पर रामनुजगंज थाने में मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

यात्री टिकट सुविधा केंद्र (वाईटीएसके) की नियुक्ति

अधिसूचना क्र.: 2023/C/Chg./YTSK/II/R
दिनांक: 16.07.2024

1. कार्य का नाम: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के विभिन्न व महत्वपूर्ण स्टेशनों पर इच्छुक पार्टियों से कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) सह अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) टर्मिनलों के माध्यम से कम्प्यूटरीकृत आरक्षित और अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए यात्री टिकट सुविधा केंद्र (वाईटीएसके) की नियुक्ति।
2. आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि और समय: दिनांक 27.08.2024 को 15.00 बजे तक।
3. आवेदन-पेटी खोलने की तिथि व समय: दिनांक 27.08.2024 को 15.30 बजे।
4. आवेदन पत्र का मूल्य: ₹ 1180/- (₹ एक हजार एक सौ अस्सी मात्र) प्रति आवेदन पत्र।
5. ठेके की अवधि: 03 (तीन) वर्ष हेतु।
आवेदक अपने आवेदन पत्र को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/एस.ई.सी. रेलवे, रायपुर को संबोधित करते हुए सीलबंद लिफाफे में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, डीआरएम कार्यालय परिसर, एस.ई.सी. रेलवे, वाल्टेयर लेवल क्रॉसिंग गेट के पास, आर.वी.एच. कॉलोनी, रायपुर (सी.जी.) के कार्यालय में इस उद्देश्य के लिए रखे आवेदन बॉक्स में दि. 27.08.2024 को 15.00 बजे तक डाल सकते हैं।
उपरोक्त कार्य की अधिक जानकारी एवं पात्रता मानदंड व पूर्ण विवरण के लिए कृपया वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, रायपुर के कार्यालय से संपर्क करें या हमारी वेबसाइट www.secr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध आवेदन देख सकते है तथा आवेदन पत्र / दस्तावेज़ डाउनलोड भी कर सकते हैं।

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), द.पू.म. रेलवे, रायपुर
PR/R/SR.DCM/FL/85
South East Central Railway @secrail

कार्यालय सेनानी, सातवी वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, भिलाई (छ.ग.)

निविदा क्रमांक- 13 सेनानी 7वीं बटा./छसबल/सा.अ./ आई /1006-A, 1007-A/2024 दिनांक 22/07/2024

:: निविदा विज्ञप्ति का प्रारूप::

सातवी वाहिनी छ.स.बल भिलाई (छ0ग0) में **"इकाई के श्वान दल में 10 डॉग कैनल निर्माण कार्य"/नव निर्मित परिवाहन शाखा के लिए कंडम स्टोर निर्माण कार्य** हेतु सेनानी सातवी वाहिनी छसबल भिलाई की ओर से निम्नांकित कार्य/सामग्री के पंजीकृत निर्माताओं एवं अधिकृत विक्रेताओं से 02 सीलबंद लिफाफा में (**लिफाफा "अ" में फायनेंशियल बीड एवं लिफाफा "ब" में टेक्निकल बीड**) निर्माण कार्य बाबत् मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र का **मूल्य 750/-**होगा। सीलबंद लिफाफे के ऊपर निविदा सूचना क्रमांक तथा निविदाकर्ता का पुरा नाम/पता सहित कार्यालय में उचित माध्यम से जमा करे।

स. क्र.	कार्य/सामग्री का नाम	कार्य की अनुमानित राशि	धरोहर राशि (नियम 4.7 के अनुसार 1%)
01	नव निर्मित परिवाहन शाखा के लिए कंडम स्टोर निर्माण कार्य	4.96 लाख (चार लाख छियानबे हजार रूपयें)	4,960/-(चार हजार नौ सौ साठ रूपये)
02	"इकाई के श्वान दल में 10 डॉग कैनल निर्माण कार्य"	20.00 लाख (बीस लाख रूपये)	20,000/-(बीस हजार रूपये)

निविदा प्रपत्र, अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन पत्र (आयकर प्रमाण पत्र संहिता) के साथ रू0 750/- कोषालय में लेखा शीर्ष 0055 पुलिस मिसलिनियस रिसिप्ट के अंतर्गत सेनानी सातवी वाहिनी छसबल भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) के नाम से जमा कर चालान की मूल प्रति सेनानी सातवी वाहिनी छसबल भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) को प्रस्तुत कर अथवा कार्यालय में नगद राशि जमा कर **दिनांक 24/07/2024** के **1700** बजे तक कार्यलयीन दिवस में निविदा फार्म प्राप्त किये जा सकते है।

01 निविदा फार्म बिक्री की अंतिम तिथि - 12/08/2024 को समय 17:00 बजे तक
02. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 13/08/2024 को समय 15:00 बजे अपरान्ह तक।
03. निविदा खोलने की तिथि - 13/08/2024 को समय 16:00 बजे अपरान्ह तक।
नोटः- सरल क्रमांक 01 का निविदा फार्म बिक्री की अंतिम तिथि/ निविदा जमा करने एवं खोलने का तिथि उपरोक्तानुसार है।
01 निविदा फार्म बिक्री की अंतिम तिथि - 21/08/2024 को समय 17:00 बजे तक
02. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 22/08/2024 को समय 15:00 बजे अपरान्ह तक।
03. निविदा खोलने की तिथि - 22/08/2024 को समय 16:00 बजे अपरान्ह तक।
नोटः- सरल क्रमांक 02 का निविदा फार्म बिक्री की अंतिम तिथि/ निविदा जमा करने एवं खोलने का तिथि उपरोक्तानुसार है।

नोट :- निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य आवश्यक जानकारी कार्यालय सेनानी 7वीं वाहिनी छ.स.बल भिलाई (छ.ग.) से प्राप्त किया जा सकता है।

जी-242501282/3

सेनानी
7वीं वाहिनी छसबल
भिलाई (छ.ग.)

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Budget 2024 : सीएम विष्णुदेव साय ने कहा-

विकसित भारत के लिए यह बजट साबित होगा मील का पत्थर, छत्तीसगढ़ को विभिन्न क्षेत्रों में लाभ

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की सराहना, कहा बजट में हर वर्ग का रखा ख्याल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट आज प्रस्तुत हुआ। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन जी का सांतवां बजट दुरदृष्टि और दृढ निश्चय का बजट है। बजट में अमृतकाल विजन 2047 की स्पष्ट झलक देखने को मिल रही है। विकसित भारत के लिए यह बजट मील का पत्थर साबित होगा। यह सबका बजट है, सबके लिए, सबके विकास का बजट है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बजट में कृषि और रोजगार पर सबसे अधिक ध्यान देना इसे ऐतिहासिक बनाता है। छत्तीसगढ़ के लिए सबसे विशेष बात यह है कि जहां 1.52 लाख करोड़ रूपये कृषि क्षेत्र के लिए रखे गये हैं, कृषि क्षेत्र का ऐतिहासिक पैकेज देश में एक नयी हरित क्रांति लाकर किसानों को समृद्ध बनायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय उन्नत ग्राम योजना लांच हुई है। इससे जनजाति समाज के 63 हजार गांव और 5 करोड़ लोगों को फायदा मिलेगा। छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्रों को इससे काफी लाभ होगा। उन्होंने कहा कि एक करोड़ युवाओं के लिए इंटर्नशिप और इंटर्नशिप के दौरान पांच हजार रूपए महीना देने का प्रावधान रखा गया है। रोजगार कौशल के लिए 2 लाख करोड़ की स्कीम शुरू की जा रही है। इसके साथ ही मुद्रा लोन की रकम 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपए की गयी है, जिससे युवाओं को स्टार्ट-अप में मदद मिल सकेगी। इस योजना से छत्तीसगढ़ के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। वहीं, बजट में घरेलू संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख तक का एजुकेशन लोन प्रावधान किया गया है। जिससे शिक्षा व स्किल को नई ऊंचाई मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2.66 लाख करोड़ ग्रामीण विकास के लिए प्रस्तावित कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार गांव, गरीब, किसान और युवाओं के हित में कल्याणकारी कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि यह बजट मोदी जी के 2047 में भारत को विकसित बनाने का संकल्प सिद्ध करने वाला बजट है।

यह बजट एक आदर्श कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को सामने लाता है। भारत को विकसित बनाने में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा बजट में कृषि व संबंधित क्षेत्रों के लिए 1.52 लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है। इससे छत्तीसगढ़ के किसानों को वित्तीय सुरक्षा और कृषि के लिए आवश्यक संसाधन मिलेंगे। इसके अलावा 6 करोड़ किसानों की जानकारी लैंड रजिस्ट्री पर लाई जाएगी जिससे जमीन संबंधी विवादों का जल्द निपटारा हो सकेगा। उन्होंने कहा कृषि में रिसर्च को ट्रांसफॉर्म करना, एक्सपर्ट की निगरानी, और जलवायु के मुताबिक नई वैरायटी को बढ़ावा देने की योजनाएँ छत्तीसगढ़ के किसानों को नई तकनीकों और संसाधनों का लाभ प्रदान करेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा बजट में सरकार द्वारा रोजगार से जुड़े प्रोत्साहन दिये गए हैं। 1 लाख रुपए से कम सैलेरी होने पर इपीएफओ में पहली बार रजिस्टर करने वाले लोगों को 15 हजार रुपए की मदद तीन किश्तों में मिलेगी। नए कर्मचारियों को एक महीने का वेतन, विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन, नियोक्ताओं को सहायता दी गयी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में सैलरीड लोगों को बड़ी राहत मिली है। टैक्स स्लैब में बदलाव लाया गया है, इससे करदाताओं को बचत होगी। उन्होंने कहा बजट में शहरों के क्रिएटिव री-डेवलपमेंट के लिए पॉलिसी लाई जाएगी और पोलावरम सिंचाई परियोजना को पूरा करने की बात कही गई है। इसके अलावा बजट में नवाचार, अनुसंधान और विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है।

अपने माता-पिता के सपनों को गढ़ने अच्छी शिक्षा पा रहे सेमरहा के बच्चे, विधानसभा परिसर में की मुख्यमंत्री साय से मुलाकात

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने उठाया है बच्चों के परवरिश का जिम्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कवर्धा जिले के ग्राम बाहपानी में हुए एक दुखद हादसे में तेंदूपत्ता संग्रहण करने गये 19 ग्रामीणों की मृत्यु हो गई थी। इनके पीछे छूट गये थे इनके मासूम बच्चे। इनकी पढ़ाई लिखाई को लेकर इनके माता-पिता का कितना कुछ सपना था, जिन्हें पूरा करने की जिम्मेदारी थी। घटना के तुरंत पश्चात मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई थी।

साथ ही विधायक भावना बोहरा ने इन मासूम बच्चों के परवरिश की जिम्मेदारी ली। सुखद बात यह है कि यह बच्चे अपनी तरक्की की राह में तेजी से बढ़ रहे हैं। आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने विधानसभा परिसर में इन बच्चों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने बच्चों को खूब दुलारा और कहा कि आप लोगों ने विधानसभा देखी है। यहां पर हम सब चर्चा करते हैं और सब मिलजुलकर प्रदेश के विकास के लिए नीति तैयार करते हैं। कल जब आप लोग भी बड़े होंगे। और आप में से जो जनप्रतिनिधि बनेगा वो यहां आएंगे। यह लोकतंत्र का मंदिर है यहीं से हम प्रदेश के विकास की राह तैयार करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी को विधानसभा दिखाने के पीछे हमारी मंशा यह है कि बच्चे बेहतर तरीके से समझें कि लोकतंत्र कैसे काम करता है।

मुख्यमंत्री ने बच्चों से पढ़ाई के बारे में पूछा। बच्चों ने कहा कि उनकी पढ़ाई लिखाई अच्छी चल रही है। मुख्यमंत्री ने बच्चों से उनके गांव के बारे में भी पूछा। बच्चों ने अपने गांव के बारे में मुख्यमंत्री को विस्तार से जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने विधायक श्रीमती बोहरा को कहा कि बच्चों को इतनी सुंदर शिक्षा आप दे रही हैं। यह बहुत अच्छी बात है। बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में हम जितना काम करेंगे, हमारे विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को प्राप्त करने में उतनी ही आसानी होगी। गौरतलब है कि विगत 20 मई 2024 को कवर्धा जिले के ग्राम बाहपानी के समीप एक दुखद सड़क दुर्घटना में तेंदूपत्ता तोड़कर लौट रहे 19 ग्रामीणों की दु:खद मृत्यु हो गई थी। मुख्यमंत्री ने हादसे में तत्काल परिजनों को राहत देते हुए 5-5 लाख दिए जाने की घोषणा की थी। आज इन्हीं मृतकों परिवारों के 14 बच्चे मुख्यमंत्री से मिलने विधानसभा पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री साय की संवेदनशीलता से 2 को मिली अनुकंपा नियुक्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आज लोकेश और राहुल की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। अनुकंपा नियुक्ति मिलने की खुशी के साथ घर की जिम्मेदारी निभाने में भी सक्षम हो गया है। घर-परिवार में त्यौहार जैसा माहौल लग रहा है। एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाईयां दे रहे है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशीलता से आमजनों के हित में त्वरित कार्य करने के निर्देश जिले के सभी कलेक्टरों को दिया गया है। इसी कड़ी में लोकेश और राहुल को भी अनुकंपा नियुक्ति मिली है और उनके जीवन में सकारात्मक बदलावा आया है। गरियाबंद जिले की राहुल, लोकश कुमार को अनुकम्पा नियुक्ति मिल गई है।

गरियाबंद कलेक्टर दीपक अग्रवाल के हाथों अनुकंपा नियुक्ति पत्र मिला है। छत्तीसगढ़ शासन के प्रावधानों के तहत मुख्यमंत्री श्री साय अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों को तेजी से निराकृत करने के निर्देश दिये हैं। इसी के तहत अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों को तेजी से पूर्ण किया जा रहा है। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के द्वारा अनुकंपा नियुक्ति मिलने से आज दोनों युवकों ने खुशी जताते हुए मुख्यमंत्री एवं जिला प्रशासन का आभार जताया। श्री राहुल एवं श्री लोकेश कुमार को भृत्य पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी गई है। अनुकंपा नियुक्ति मिलने के बाद उन्होंने कहा कि राज्य शासन की नीति के तहत त्वरित पहल से नौकरी मिल गई है। जिससे आर्थिक समस्याओं को दूर करने एवं परिवार के पालन पोषण में सहायक होगी।

उल्लेखनीय है कि अनुकंपा नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले गरियाबंद जिले देवभोग अंतर्गत ग्राम सुपेबेड़ा के निवासी श्री राहुल कुमार क्षेत्रपाल ने बताया कि उनके पिताजी स्वर्गीय तुकाराम सहायक शिक्षक के रूप में शासकीय प्राथमिक शाला ठिरलींगुड़ा में पदस्थ थे, निधन 06 अक्टूबर 2022 को हुआ। निधन के बाद उनके पुत्र श्री राहुल कुमार क्षेत्रपाल को भृत्य पद के रूप में शासकीय माध्यमिक शाला झाखरपारा में नियुक्ति मिली है। उन्होंने बताया कि अनुकंपा नियुक्ति मिलने से परिवार के पालन पोषण एवं देखरेख में सहायता मिलेगी। साथ ही भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। इसी प्रकार ग्राम दीवानमुड़ा के रहने वाले लोकेश कुमार शांडिल्य के पिताजी स्वर्गीय डोंगर सिंह शांडिल्य प्रधानपाठक के रूप में शासकीय माध्यमिक शाला दीवानमुड़ा में पदस्थ थे।

केन्द्रीय बजट विकासोन्मुखी, समावेशी और जनकल्याणकारी : विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्रीय बजट 2024-25 पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बजट को विकासोन्मुखी, समावेशी और जनकल्याणकारी बताया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में किए गए प्रावधानों की सराहना की और इसे देश सहित प्रदेश के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने गृह विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में बजट में किए गए प्रावधानों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास, पेयजल आपूर्ति और स्वच्छता परियोजनाओं के लिए आवंटित राशि से ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार होगा। उन्होंने तकनीकी शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में बजट में किए गए प्रावधानों को भी सराहा। उन्होंने कहा कि नए उच्च शिक्षण संस्थानों की स्थापना से युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और रोजगार के अवसर मिलेंगे। 5 साल में 500 टॉप कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप, स्किल इंडिया के तहत युवाओं को प्रशिक्षित और पुनर्प्रशिक्षित करने के कदम से देश में तकनीकी दक्षता बढ़ेगी।विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बजट में किए गए प्रावधानों पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य आधुनिक तकनीकों को प्रोत्साहन देने के लिए उठाए गए कदम से देश तकनीकी क्षेत्र में उन्नत बनेगा। उन्होंने कहा कि शोध और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए स्थापित किए गए कोष से नई खोजों और आविष्कारों को बल मिलेगा। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि इस बार के बजट में कृषि, रोजगार, सामाजिक कल्याण, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा के अलावा गरीब, महिला, किसान युवा पर बजट में फोकस किया गया है।

छत्तीसगढ़ की बेटियों ने राज्य और देश का मान बढ़ाया- टंकराम वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खेल मंत्री टंक राम वर्मा के निवास कार्यालय में आज तलवारबाजी खिलाड़ी रूपाली साहू ने सौजन्य मुलाकात की। रुपाली साहू और रीबा बेन्नी ने 12 से 19 जुलाई, 2024 तक क्राईस्टचर्च न्यूजीलैण्ड में सम्पन्न जूनियर कॉमनवेल्थ तलवारबाजी प्रतियोगिता में भारतीय टीम को सिल्वर पदक दिलाया।

खेल मंत्री ने इनके शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटियों ने राज्य का ही नहीं अपितु देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि राज्य में सभी खेल विधाओं के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार किया जा रहा है। खेल मैदानों को उन्नत कर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। ज्ञात हो कि रुपाली साहू और रीबा बेन्नी ने न्यूजीलैण्ड जाने के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग से आर्थिक मदद के लिए आवेदन किया था। खेल संचालक श्रीमती तनुजा सलाम ने इन खिलाड़ियों रिबा बेन्नी को 4 लाख रुपए और रूपाली साहू को 3.5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दिये जाने की अनुशंसा सहित प्रकरण राज्य शासन को प्रेषित किया था। खेल संचालक के प्रस्ताव पर खेल सचिव श्री हिमशिखर गुप्ता और खेल मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने स्वीकृति प्रदान् की। इन खिलाड़ियों ने तलवारबाजी में बेहतर प्रदर्शन के लिए बहुत परिश्रम किया है। अपने बेहतर प्रदर्शन और खेल तकनीक की योग्यता के कारण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सिल्वर मैडल प्राप्त करने में सफल रहीं। खेल संचालक श्रीमती तनुजा सलाम ने इन खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य के खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

अपने काम को पूरी ईमानदारी और दक्षता से करना ही देशसेवा: मुख्यमंत्री

स्कूली बच्चों ने मुख्यमंत्री से पूछे विधानसभा संचालन को लेकर प्रश्न, कृष्णा पब्लिक स्कूल के बच्चों ने किया विधानसभा का भ्रमण, कार्यवाही भी देखी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आप जिस रूप में भी देश की सेवा करना चाह रहे हैं, उस रूप में देश की सेवा कर सकते हैं। एक अच्छा डॉक्टर बन मरीजों की सेवा कर देश की सेवा कर सकते हैं, जनप्रतिनिधि बनकर जनता की समस्याएं दूर कर लोगों की मदद कर सकते हैं। अपने काम को बेहतर तरीके से और पूरी ईमानदारी से करना ही, आज के समय में सच्ची देश सेवा है। यह बात मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विधानसभा परिसर भ्रमण के लिए कृष्णा पब्लिक स्कूल तुलसी, रायपुर से आए बच्चों के प्रश्नों के उत्तर में कही। इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय से बच्चों ने सदन में विपक्षी विधायकों के सवाल-जबाव, विधानसभा क्षेत्रों की समस्याएं दूर करने और अंतर्विभागीय समन्वय से जुड़े सवाल पूछे। मुख्यमंत्री ने विधानसभा की कार्यवाही के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि सबसे पहले प्रश्नकाल होता है और इसके पश्चात सदस्य यदि किसी महत्वपूर्ण बिंदु पर ध्यानाकर्षण करना चाहते हैं, तो ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लेकर आते हैं। इसी तरह से उन्होंने शून्यकाल, तारांकित, अतारंकित प्रश्न, अन्य प्रस्ताव, बजट के ऊपर एवं विधानसभा में होने वाली अन्य चर्चाओं एवं विधानसभा संचालन और गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आगे कहा कि क्षेत्र की समस्याएं दूर करने के लिए विधायकों के पास विधायक निधि होती है। इसके अलावा विभागीय बजट से भी कार्य स्वीकृत किए जाते है। विधायकों को मतदाता चुनकर भेजते हैं और क्षेत्र का विकास उनकी जिम्मेदारी होती है, इसलिए वो लगातार सवाल करते है। दो विभागों के बीच विवाद की स्थिति को लेकर बच्चों की जिज्ञासा दूर करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि नीति और नियत साफहै तो ऐसी स्थिति नहीं बनती है। मुख्यमंत्री श्री साय के लंबे संसदीय अनुभव से बच्चों को बहुत सारी जानकारियां मिली और उन्होंने मुख्यमंत्री को उत्सुकता के साथ सुना।

मुख्यमंत्री साय ने बच्चों को संदेश देते हुए कहा कि आप सभी निष्ठा से परिश्रम करते रहेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। निजी स्वार्थ को छोड़कर हमें देशहित के लिए हमेशा समर्पित होकर कार्य करना होगा। जिस भी रूप में आप देशसेवा करना चाहते हैं, उसे तय कर इस दिशा में प्रयास करते रहें। मुख्यमंत्री ने बताया कि 10 साल की उम्र में मेरे पूज्य पिताजी का देहांत हो चुका था और मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं मुख्यमंत्री के पद तक पहुंच पाउंगा। मेरी इच्छा उन्नत किसान बनने की थी। लेकिन इस सफर में जो जिम्मेदारियां मुझे मिली, मैं उसे पूरी निष्ठा के साथ निभाता रहा।

इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बच्चों से कहा कि इस अभियान से जुड़कर आप सभी पेड़ लगाएं। मां के नाम से पेड़ लगाने पर इससे हमारा भावनात्मक जुड़ाव होगा और उसकी देखरेख की जिम्मेदारी भी हमारी होगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950